22 सितंबर 2025
सोमवार

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

आपकी आवाज

शारदीय नवरात्र आज : घर-घर विराजेंगी मां दुर्गा, तैयारी हुई पूरी 2

भारत को सनातन दृष्टिकोण अपनाकर अपनी राह तय करनी चाहिए : भागवत

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वंयसेवल संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने भारत में 'सनातन' दृष्टिकोण को अपनाने की बात पर जोर दिया। उन्होंने रविवार को कहा कि भारत को अपनी वर्तमान स्थिति से उबरने के लिए जो जरूरी हो, वह कदम उठाने चाहिए, लेकिन इसे 'सनातन' दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने विकास और प्रगति का मार्ग स्वयं तय करना चाहिए। उनका यह बयान अमेरिका के व्यापार शुल्क और आव्रजन नीतियों पर आधारित था। एक किताब के विमोचन कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि आज जो स्थिति उत्पन्न हुई है, वह पिछले 2000 वर्षों से चल रही दुनिया की उन नीतियों का परिणाम है, जो विकास और सुख के संदर्भ में बंटे हुए दृष्टिकोण पर आधारित हैं। हम इस स्थिति से मुंह नहीं मोड़ सकते, लेकिन हमें अंधेरे में नहीं चलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपनी राह खुद बनानी होगी। इसका समाधान हम ढूंढ़ लेंगे, लेकिन भविष्य में हमें इस तरह की समस्याओं का सामना फिर से करना पड़ सकता है, क्योंकि इस बंटे हुए दृष्टिकोण में 'मैं' और 'हम' का अंतर रहता है। भागवत ने भारत के प्राचीन जीवन दृष्टिकोण की चर्चा करते हुए कहा कि भारत को चार जीवन लक्ष्य 'अर्थ', 'काम', 'मोक्ष' और 'धर्म' अपनाने चाहिए, ताकि कोई भी पीछे न रहे। उन्होंने कहा कि धर्म का मतलब केवल पूजा-पाठ से नहीं है, बल्कि यह वह प्राकृतिक कानून है जो सभी को एक साथ चलने का रास्ता दिखाता है। इस दौरान उन्होंने एक अमेरिकी व्यक्ति से अपनी मुलाकात का जिक्र किया। साथ ही कहा कि तीन साल पहले उस व्यक्ति ने भारत-अमेरिका के सहयोग की संभावनाओं पर बात की थी, लेकिन हर बार उसने यह कहा कि यह तब ही संभव है, जब अमेरिकी हित सुरक्षित रहें। भागवत ने कहा कि हर किसी के अलग-अलग हित होते हैं, इसलिए संघर्ष अनिवार्य है।

पर्यावरण के मुद्दों पर भी बोले भागवत

भागवत ने यह भी कहा कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने पर्यावरणीय मुद्दों पर अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को निभाया है। उन्होंने कहा कि अगर हमें हर संघर्ष में शामिल होना होता तो हम 1947 से लेकर अब तक लगातार संघर्ष कर रहे होते, लेकिन हमने इन सबका सामना किया और युद्ध को होने से रोका। इसके साथ ही भागवत ने भारत को 'विश्वगुरु' और 'विश्वमित्र' बनाने के लिए अपनी विशेष दृष्टि अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। "अगर हमें इसे प्रबंधित करना है, तो हमें अपनी नजर से सोचना होगा। हमारे देश का दृष्टिकोण पारंपरिक है, लेकिन यह पुराना नहीं है, यह 'सनातन' है," उन्होंने कहा। इस दौरान भागवत ने इस बात पर भी बल दिया कि भारत का दृष्टिकोण केवल 'अर्थ' और 'काम' को छोड़ता नहीं है, बल्कि ये दोनों जीवन के अनिवार्य पहलू हैं, बशर्ते कि वे धर्म से जुड़े हों।

कर्नाटक में भगवान गणेश की मूर्ति को किया अपवित्र, लोगों में आक्रोश

एजेंसी। नई दिल्ली

कर्नाटक में एक मंदिर की भगवान गणेश की मूर्ति को अपवित्र किया गया। इसे लेकर लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने बदमाशों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।बेलूर कस्बे में एक मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति पर किसी ले जूते-चप्पल रख दिए गए। रविवार को स्थानीय लोगों ने जब मूर्ति पर जूता देखा, तो आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों ने घटना के पीछे शामिल बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।सूत्रों ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों में कैद फुटेज से पुलिस को संदेह है कि प्रथम दृष्टया यह किसी महिला का कृत्य है, जो मानसिक रूप से बीमार लग रही है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में महिला का चेहरा कपड़े से ढका हुआ दिखाई दे रहा है। मंदिर में प्रवेश करते समय वह जो जूते पहने हुए दिख रही थी। ये जूते मूर्ति पर रखे जूते से मिल रहे हैं। पुलिस अधीक्षक मोहम्मद सुजीता और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाया। मंदिर अधिकारियों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। एसपी ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि न्याय होगा। उन्हें बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। सूत्रों ने बताया कि इस बीच पुजारियों ने अपवित्र गणपति की मूर्ति के लिए शुद्धिकरण अनुष्ठान किया। भाजपा नेता और एमएलसी सीटी रवि ने बेलूर के विधायक एचके सुरेश के साथ मंदिर का दौरा किया।

देश के नाम संबोधन में बोले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आज से देश में जीएसटी बचत उत्सव की शुरूआत

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि देश में कल यानी 22 सितंबर से से ' जीएसटी बचत उत्सव' शुरू होगा। इससे लोगों की बचत बढ़ेगी। वे अपनी पसंदीदा चीजें खरीद पाएंगे। जीएसटी बचत उत्सव से समाज के सभी वर्गों को फायदा होगा। सरकार ने 4 सितंबर को ऑटोमोबाइल से लेकर दैनिक उपभोक्ता वस्तुओं तक कई उत्पादों पर जीएसटी की दरें कम करने की घोषणा की थी। यह जुलाई 2017 में गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) लागू होने के बाद सबसे बड़ा अप्रत्यक्ष कर सुधार है। नई प्रणाली को अक्सर जीएसटी 2.0 कहा जाता है। यह 5 फीसदी और 18 फीसदी की दो-स्लैब संरचना पेश करती है। इसमें केवल सुपर लक्जरी, सिन और डिमेरिट सामानों के लिए अतिरिक्त 40 फीसदी दर है। इन सुधारों को जीएसटी परिषद ने अपनी 56वीं बैठक में मंजूरी दी थी। इस पर केंद्र और राज्य सरकारें दोनों एकमत हुईं। जीएसटी बचत उत्सव की शुरूआत ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका में भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगा है। इससे भारत की जीडीपी पर थोड़ा असर पड़ने की आशंका है। मोदी सरकार चाहती है कि इस प्रतिकूल असर की भरपाई देश में खपत बढ़ाकर की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि भारत के साथ जल्द अमेरिका एक समझौता कर सकता है। उम्मीद है कि इसमें भारत पर लगे अतिरिक्त 25% टैरिफ से छूट मिल जाएगी। दोनों देश इस पर बात कर रहे हैं।

टैक्स के जंजाल से मुक्ति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2017 में जब भारत ने जीएसटी सुधार शुरू किया तो यह एक पुराने इतिहास को बदलने और नया इतिहास बनाने की शुरूआत थी। दशकों से हमारे देश के लोग और व्यापारी अलग-अलग टैक्स के जाल में फंसे हुए थे। चुंगी, प्रवेश कर, बिक्री कर, उत्पाद शुल्क, वैट, सेवा कर - ऐसे दर्जनों टैक्स हमारे देश में मौजूद थे। एक शहर से दूसरे शहर में सामान भेजने के लिए अनगिनत चेकपॉइंट पार करने पड़ते थे। नए जीएसटी टैक्स सुधार के तहत दैनिक जरूरत की चीजें, दवाएं और बीमा सस्ते हो जाएंगे। जीएसटी सुधार से हर परिवार में खुशियां आएंगी और भारत की विकास गाथा को रफ्तार मिलेगी।

अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'जीएसटी बचत उत्सव' से लोगों को फायदा होगा। वे अपनी पसंद की चीजें खरीद पाएंगे। इससे देश के सभी लोगों को फायदा होगा।सरकार ने 4 सितंबर को कुछ चीजों पर जीएसटी कम कर दिया था। इससे गाड़ियां और रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएंगी। यह जीएसटी में सबसे बड़ा बदलाव है। मोदी ने कहा कि यह सुधार केंद्र और राज्यों के मिलकर काम करने का नतीजा है। उन्होंने कहा कि नए टैक्स सिस्टम से चीजें सस्ती होंगी। इससे कारोबार बढ़ेगा और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

आत्मनिर्भरता पर जोर

प्रधानमंत्री ने अपने बजट भाषण में आत्मनिर्भरता पर भी जोर दिया। उन्होंने देसी चीजों को इस्तेमाल करने का आह्वान किया। पीएम ने यहां तक ध्यान देने की जरूरत बताई है कि हम कंघी किसकी इस्तेमाल करते हैं। ट्रंप ने अमेरिका में जिस तरह का संरक्षणवादी रवैया अपना रखा है, यह उसका जवाब है। अमेरिका लगातार ऐसी नीतियां अपना रहा है जिससे भारत को नुकसान हो रहा है। एच1-बी वीजा फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी का फैसला भी उनमें से एक है। इसे बढ़ाकर 1,00,000 डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये कर दिया गया है।

असम में चाय बागानों के कर्मचारियों और मजदूरों के मिलेगा बोनस : हिमंत विश्व शर्मा

एजेंसी। नई दिल्ली

असम चाय निगम के चाय बागानों में काम करने वाले कर्मचारियों और मजदूरों के लिए अच्छी खबर है। असम कैबिनेट ने चाय बागान के कर्मचारियों और मजदूरों को दुर्गा पूजा के अवसर पर 20 प्रतिशत बोनस देने का ऐलान किया है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने इसका ऐलान किया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि असम कैबिनेट ने कचुटोली में 10वीं असम बटालियन की स्थापना के लिए 260 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग के अंतिम संस्कार के लिए गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में प्रस्तावित अंत्येष्टि स्थल का निरीक्षण किया। जुबिन (52) की शुक्रवार को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय मृत्यु हो गई थी। उनका पार्थिव शरीर शनिवार आधी रात के करीब नयी दिल्ली लाया गया और रविवार सुबह गुवाहाटी पहुंचा। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारे प्रिय जुबिन को उनकी विरासत के अनुरूप सम्मानजनक विदाई दी जाएगी, जो असम के सबसे बड़े सांस्कृतिक प्रतीकों में से एक थे। मैंने कुछ समय पहले सोनापुर में प्रस्तावित अंत्येष्टि स्थल का निरीक्षण किया, जहां जुबिन को अंतिम विदाई दी जाएगी।

इंपीरियल ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी, हॉन्गकॉन्ग से जुड़े तार

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), शिमला ने 19 और 20 सितंबर को हिमाचल प्रदेश और दिल्ली स्थित मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और इंपीरियल ग्रुप से संबंधित संस्थाओं/व्यक्तियों के छह परिसरों में छापेमारी की है। यह कार्रवाई, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के प्रावधानों के तहत भारत के बाहर रखी गई अघोषित संपत्तियों, अघोषित विदेशी निवेशों और मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और इंपीरियल ग्रुप के तहत काम करने वाली कंपनियों के वित्तीय हितों से संबंधित जांच के संबंध में की गई है। इंपीरियल ग्रुप एयरोस्पेस और रियल एस्टेट क्षेत्रों में अन्य क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों का एक समूह है और इसके अध्यक्ष मानविंदर सिंह हैं। हिमाचल प्रदेश के नालदेहरा में स्थित ऑरमा वैली लक्जरी आवासीय परियोजना भी उपरोक्त समूह का हिस्सा है और इसका स्वामित्व मानविंदर सिंह के पास है।ईडी ने खुफिया जानकारी के आधार पर मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और इंपीरियल ग्रुप के तहत संचालित कुछ कंपनियों के नाम पर विदेशों में अघोषित संपत्ति की मौजूदगी का पता लगाया। इसके बाद उक्त मामले की जांच शुरू की गई।

मोरक्को पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

डिफेंस मैन्युफैक्करिंग प्लांट का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रविवार (21 सितंबर) को मोरक्को के कासाब्लांका पहुंचे. यह मोरक्को का दौरा करने वाले किसी भी भारतीय रक्षा मंत्री की पहली ऐतिहासिक यात्रा है. मोहम्मद वी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजनाथ सिंह का स्वागत कैसाब्लांका की सैन्य कमान के प्रमुख वली और मोरक्को में भारतीय राजदूत संजय राणा ने किया.इस यात्रा को भारत और मोरक्को के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है. जानकारी के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने प्रवास के दौरान द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और रक्षा एवं सामरिक सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर होगी चर्चा

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और संयुक्त परियोजनाओं (जॉइंट प्रोजेक्टस) पर चर्चा की जाएगी. राजनाथ सिंह मोरक्को के रक्षा मंत्री प्रतिनिधि अब्देलतिफ लौदियी से मुलाकात करेंगे. दोनों के अलावा वो उद्योग मंत्री रियाद मेज्जौर से भी मिलेंगे. राजधानी रबात में भारतीय समुदाय को संबोधित करना भी उनके कार्यक्रम का हिस्सा है. भारत और मोरक्को इस दौरे में रक्षा सहयोग समझौता (MoU) पर साइन कर सकते हैं. इस समझौते से ट्रेनिंग, रक्षा उद्योग और आपसी सहयोग को नई ऊर्जा मिलेगी. पिछले कुछ सालों में भारतीय नौसेना के जहाज मोरक्को के कासाब्लांका बंदरगाह पर लगातार जाते रहे हैं. अब यह दौरा दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम साबित होगा।

डुमरांव के शौर्य गौतम को संयुक्त राष्ट्र का बुलावा

- विश्व खाद्य मंच 2025 की युवा सभा में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर जिला और बिहार के लिए गर्व का क्षण तब आया जब डुमरांव प्रखंड के खिरौली गांव के निवासी शौर्य गौतम का चयन संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा आयोजित होने वाले विश्व खाद्य मंच 2025 की युवा सभा के लिए किया गया। शौर्य वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं। यह प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन आगामी 10 से 17 अक्टूबर, 2025 तक इटली की राजधानी रोम स्थित संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के मुख्यालय में होगा। इस वर्ष मंच का मूल विषय रखा गया है ह्लबेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए हाथ में हाथह्व। इसका लक्ष्य कृषि और खाद्य प्रणाली को ऐसा रूप देना है, जो सभी वर्गों के लिए अधिक टिकाऊ, न्यायपूर्ण और लचीला हो। विश्व खाद्य मंच को ऐसा अनूठा मंच माना जाता है, जहां तीन प्रमुख स्तंभ एक साथ आते हैं युवा नेतृत्व, विज्ञान एवं नवाचार, और निवेश। यही वजह है कि इसे केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए वैश्विक साझेदारी का अवसर कहा जाता है। इस आयोजन में दुनिया भर से चुने गए युवा नेता, विभिन्न देशों की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान, निजी कंपनियों के प्रतिनिधि, शिक्षा जगत के विद्वान और नागरिक समाज के कार्यकर्ता शामिल होंगे। यहां कृषि और भोजन से जुड़े गहन मुद्दों पर मंथन किया जाएगा और व्यवहारिक समाधान खोजने की कोशिश होगी।

परिवार और संस्कार

शौर्य गौतम, खिरौली गांव के माता पुष्पांजलि देवी और पिता उपेंद्र चौबे के पुत्र हैं। माता-पिता दोनों ही लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं और अपनी व्यवहार कुशलता के लिए इलाके में पहचाने जाते हैं। पारिवारिक पृष्ठभूमि और सामाजिक परिवेश ने शौर्य को सकारात्मक सोच, सेवा भाव और नेतृत्व क्षमता का संस्कार दिया है। यही कारण है कि वह आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय युवाओं की आवाज बनने जा रहे हैं।

वैश्विक मंच पर भारतीय युवाओं की पहचान

शौर्य को मिला यह निमंत्रण केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि भारतीय युवाओं की भूमिका अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार सशक्त हो रही है। एफएओ के युवा एवं महिला कार्यालय के निदेशक काजुकी किताओका ने शौर्य को भेजे निमंत्रण पत्र में उनसे सार्थक योगदान की उम्मीद जताई है।

डुमरांव से रोम तक का सफर

खिरौली जैसे छोटे से गांव से निकलकर विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले शौर्य की यह उपलब्धि इलाके के लिए प्रेरणा बन गई है। गांव और जिले के लोग इसे अपने सम्मान से जोड़कर देख रहे हैं। स्थानीय बुद्धिजीवियों का मानना है कि यह अवसर न केवल शौर्य को नई दिशा देगा, बल्कि डुमरांव और बक्सर का नाम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकाएगा।

डुमरांव पुलिस ने सात वारंटी व तीन अभियुक्तों समेत 10 को किया गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव थाने की पुलिस ने शनिवार की रात से लेकर रविवार की सुबह तक सात वारंटियों व मारपीट के तीन अभियुक्तों समेत कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया। हालांकि, बाद में दो के परिजनों ने रिकॉल (जमानत की पर्ची) पुलिस के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया। जबकि, आठ लोगों को जेल भेजा गया है। गिरफ्तार वारंटियों में एक पिता तथा उसके दो पुत्र भी शामिल है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया गया था तथा उन्हें कैदी वाहन से जेल भेजा गया है। पुलिस ने जिन वारंटियों को गिरफ्तार किया है उनमें बच्चा लाल खरवार पिता स्व. छोटक खरवार, गणेश खरवार पिता बच्चा लाल खरवार, विश्वनाथ खरवार उर्फ जयनाथ खरवार पिता बच्चा लाल खरवार शामिल है। वहीं, मारपीट के आरोपित रजडीहा निवासी सोनू तिवारी, शराब कांड के आरोपित चतुरशालगंज निवासी बिरेन्द्र यादव तथा खिरौली के विश्वनाथ राय शामिल है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार अपराधियों व वारंटियों की धरपकड़ के लिए पुलिस विशेष अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए यह जरूरी है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST

पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

शारदीय नवरात्र आज : घर-घर विराजेंगी मां दुर्गा, तैयारी हुई पूरी

- हाथी पर हो रहा है मां का आगमन, मनुष्य के कंधा पर होगी विदाई

केटी न्यूज/डुमरांव

जगत जननी मां दुर्गे के आराधना का पावन पर्व शारदीय नवरात्र की शुरूआत सोमवार से हो रही है। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अनुमंडल क्षेत्र के जगह-जगह मां दुर्गा के भव्य पंडाल सजाये जा रहे हैं। इसके अलावा घरों में भी मां की तस्वीर व कलश की स्थापना कर पूजा की जायेगी। इस उत्सव की तैयारी के लिए रविवार को पूरे दिन लोग खरीदारी में मशगूल रहे। बाजारों में नवरात्र को लेकर रौनक दिखायी दी। हर तरफ चुनरी, नारियल सहित अन्य पूजन सामग्री की बिक्री होती रही। भक्त अपने घरों व प्रतिष्ठानों में साफ सफाई करने में जुटे हैं। वहीं, बाजारों में दुकानों पर रौनक देखी गयी। दुकानदार दुकानों को माता रानी के वस्त्रों व अन्य सामग्रियों को देर शाम तक बेचते रहे। नवरात्र पर माता रानी की पूजा-अर्चना के लिए पूजन वस्तुओं की मांग भरपूर रही। बाजारों में सजावट की चीजें, देवी के आभूषण और व्रत के दौरान इस्तेमाल होने वाले विशेष खाद्य पदार्थ जैसे साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, और अन्य व्रत सामग्री भी किराना दुकानों पर बिकते रहे।

शुभ मुहूर्त में करें कलश स्थापना

आचार्य ने बताया कि 22 सितंबर को हस्त नक्षत्र के साथ ब्रह्म योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है। ऐसे में इस दिन कलश स्थापन के लिये बेहद शुभ रहने वाला है। कलश स्थापन का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजे से लेकर 8 बजे तक रहने वाला है। इसके बाद अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 49 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 38 मिनट तक रहने वाला है।

सज गये शहर के देवी मंदिर

शारदीय नवरात्र को लेकर देवी मंदिरों सहित अन्य मंदिरों की विशेष सजावट की गयी है। शहर के स्टेशन रोड स्थित नवदुर्गा मंदिर, नगर देवी मां डुमरेजनी मंदिर, काली आश्रम स्थित बड़ी काली मंदिर, राजगढ़ स्थित काली मंदिर, भगवती मंदिर सहित अन्य मंदिरों में नवरात्र को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इन मंदिरों के पास पूजन सामग्री की दुकानें भी लगी गयी हैं। हर तरफ नवरात्र की धूम है। शारदीय नवरात्र का अपना अलग महत्व है। लोग नौ दिनों तक व्रत रखकर मां की आराधना करेंगे।

मां की आराधना से मिलता हैं विशेष फल

आचार्य पं. आदित्य तिवारी के अनुसार नवरात्रि में मां की आराधना से विशेष फल की प्राप्ति होती हैं। उनका कहना है कि पूजन-अर्चन करने वाले सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। शारदीय नवरात्रि की पूजा का बहुत महत्व है। धार्मिक मत है कि मां दुर्गा की पूजा करने से साधक के जीवन में व्याप्त समस्त प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

हाथी पर होगा आगमन व मनुष्य के कंधे पर विदाई

वहीं, पंडित उदय नारायण चतुर्वेदी की माने तो माता रानी का आगमन इस बार हाथी पर हो रहा है तथा विदाई मनुष्य के कंधे पर होगी। उन्होंने बताया कि हाथी पर आगमन को शुभ माना जाता है तथा इससे सुवृष्टि योग बनता है तथा धन-धान्य की वृद्धि होती है। हालांकि, विदाई मनुष्य क कंधे पर होने से प्राकृतिक आपदाएं व दुर्घटनाएं बढेंगी। उन्होंने कहा कि यह सत्ता पक्ष के लिए लाभाकारी सिद्ध होगा।

आंदोलन में शामिल होंगे लोग संभावित रूट से गुजरने वाली रेल लाइन के लोग

डुमरांव/केटी न्यूज

बलिया-डिहरी रेललाइन सघर्ष समिति की एक आवश्यक बैठक छठिया पोखरा स्थित एक निजी स्कूल में हुई। बैठक में इस बात पर जोरदार चर्चा की गई कि अन्य रूट पर नयी रेललाइन बिछाकर ट्रेनों को चलाया जा रहा है। इतना ही नहीं राज्य के लगभग एक दर्जन स्थानों पर रेललाइन बिछाने का काम भी चल रहा है। वहीं बलिया-डिहरी जो डुमरांव होते हुए निकलेगी इसकी मांग दो दशक से की जा रही है, लेकिन आजतक इस पर रेलवे बोर्ड के द्वारा विचार भी नहीं किया गया। इस बात को लेकर समिति के सदस्यों में काफी रोष है और सभी ने यह निर्णय लिया की इस मांग को लेकर अब आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के प्रदेश उपाध्क्ष सह दीघा विधान सभा प्रभारी राधेश्याम सिंह कुशवाहा मौजूद रहे। समिति के अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता व संस्थापक सह महासचिव उमेश कुमार गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने मुख्य अतिथि को मांग पत्र सौंपा मुख्य अतिथि ने कहा कि आपकी जो मांगे हैं, उसे रेलवे बोर्ड तक पहुंचाने की मेरी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि आप सभी को निराश होने की आवश्यकता नहीं है, इस पर अग्रेत्तर कार्वाई के लिये मेरे तरफ से हर कोशिश की जाएगी। वहीं सभी ने निर्णय लिया की दशहरा बाद एक बैठक किया जाएगा, जिसमें आंदोलन की रूपरेखा तैयारी की जाएगी, फिर सबकी सहमति से आगे काम किया जाएगा।

छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी की ऐतिहासिक जीत पर डुमरांव में जश्न, छात्रों ने लिया भ्रष्टाचार मुक्त कैंपस का संकल्प

केटी न्यूज/डुमरांव

दिल्ली यूनिवर्सिटी और हैदराबाद यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को मिली अभूतपूर्व जीत की गूंज अब छोटे शहरों तक पहुंच चुकी है। इसी कड़ी में रविवार को डुमरांव के डी.के. कॉलेज परिसर में एबीवीपी कार्यकताओं और छात्रों ने जोरदार जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों, नारों और उत्साह के बीच छात्रों ने ऐलान किया कि अब कैंपस की राजनीति बदलकर छात्रहित केंद्रित होगी। कार्यक्रम का नेतृत्व शुभम सिन्हा ने किया जबकि संचालन आतिश शर्मा ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला संयोजक अविनाश पांडे मौजूद रहे। कार्यक्रम में दीपक यादव, सुजीत सिंह, संटु मित्रा, अभिषेक चौरसिया, प्रियांशु शुभम, अभिनंदन मिश्रा और विराज सिंह भी शामिल रहे। जिला संयोजक अविनाश पांडेय ने कहा कि यह जीत सिर्फ दो विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं की आवाज है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब कैंपस से भ्रष्टाचार, दलाली और जातिवादी राजनीति का अंत होना तय है। वहीं दीपक यादव ने कहा कि जो लोग छात्रों की ऊर्जा को दबाना चाहते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए।

युवा मतदाता बने भाग्यविधाता : डीडीसी

- वूशु चैंपियनशिप के बहाने बक्सर में जगा मतदान का उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को सफल और उत्साहपूर्ण बनाने के लिए बक्सर जिले में मतदाता जागरूकता की अनोखी पहल की गई। शनिवार को स्वीप अभियान के तहत ह्लवूशु चैंपियन प्रतियोगिता-2025ह्व का आयोजन हुआ। खास बात यह रही कि खेल के रोमांच के साथ मतदान की गंभीर जिम्मेदारी का संदेश भी युवाओं तक पहुंचाया गया।

जिलाधिकारी के निदेशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी एवं अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त ने कहा कि युवा मतदाता ही देश के आज और कल के सच्चे भाग्यविधाता हैं। उन्हें लोकतंत्र की ताकत समझनी होगी। वहीं अपर समाहर्ता ने नए मतदाताओं से अपील की कि वे चुनावी प्रक्रिया में जरूर हिस्सा लें और अपने अधिकार का उपयोग करें। कार्यक्रम का संचालन स्वीप आइकॉन अभिराम सुंदर ने किया। मौके पर अंतरराष्ट्रीय वूशु चौंपियन दीक्षा कुमारी, नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट निधि कुमारी और वूशु कोच लव कुमार मौजूद रहे। स्वीप नोडल पदाधिकारी ने सभी को मतदाता शपथ दिलाई और प्रतिभागियों से कहा कि वे न सिर्फ स्वयं बल्कि अपने परिवार को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

खेल और लोकतंत्र का संगम

प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्गों में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने दमखम दिखाया। रोमांचक मुकाबलों के बीच संदेश साफ था कि ह्लमेरा वोट, मेरा अधिकार ह्व खेल भावना और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी का यह संगम जिले में मतदाता प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

विजेताओं को मिला सम्मान

प्रतियोगिता के विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक देकर सम्मानित किया गया। बालक वर्ग के विजेताओं में राजा कुमार (स्वर्ण), रितिक कुमार (रजत), नीरज कुमार (कांस्य); आकाश यादव (स्वर्ण), विक्रमादित्य कुमार (रजत), लकीराज कुमार (कांस्य); धनंजय सिंह (स्वर्ण), निहाल कुमार (रजत); रुस्तम सिंह (स्वर्ण), सूर्य प्रतीक सिंह (स्वर्ण)। वहीं, बालिका वर्ग के विजेताओं में खुशी श्रीवास्तव (स्वर्ण), महिमा कुमारी (रजत); प्रियांशु कुमारी (स्वर्ण), शिवानी कुमारी (रजत), अंशु कुमारी (कांस्य); लक्ष्मी कुमारी (स्वर्ण), राज लक्ष्मी कुमारी (रजत), शिवानी कुमारी (कांस्य); खुशी कुमारी (स्वर्ण), दिव्या कुमारी (रजत), सुल्तान (कांस्य), सृष्टि (कांस्य); शालू कुमारी (स्वर्ण), प्रीति कुमारी (रजत); श्वेता (स्वर्ण), सानिया भारती (रजत), अनिशा कुमारी (कांस्य) शामिल है।

माया नगरी छोड़ डुमरांव के शिवम ने पकड़ी स्वावलंबन की राह, बेरोजगार युवाओं के लिए बने नजीर

- तीन साल तक मुंबई में सोलर प्लेट निर्माण कंपनी में काम किये है डुमरांव सतगलिया निवासी शिवम कुमार
- अब साइकिल पर दहीबड़ा चाट बेच चला रहे है पूरे परिवार की आजीविका, मुंबई से बेहतर हो रही है आमदनी

केटी न्यूज/डुमरांव

बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार की सीख देने के लिए अपने एक संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि था कि पढ़े लिखे युवा पकौड़े तल कर भी आजीविका चला सकते है। उनका इशारा युवाओं को कम पूंजी व संसाधन में स्वरोजगार की सीख देने का था, भले ही उनके इस बात पर पूरे देश में राजनीति गरमा गई थी तथा विपक्ष ने इसे मुद्दा बना लिया था। कई जगहों पर तंज के तौर पर ग्रेजुएट चाय या पकौड़े की दुकाने भी खोली गई थी।

बावजूद इससे इतर डुमरांव जैसे कस्बाई शहर के एक युवक ने मायानगरी मुंबई की नौकरी छोड़ महज एक साइकिल व बहुत कम संसाधनों में दहीबड़ा चाट की चलती-फिरती दुकान खोल तथा उससे पूरे परिवार की आजीविका चला प्रधानमंत्री के उस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है।

हम बात कर रहे है डुमरांव के सतगलिया निवासी ललन प्रसाद के पुत्र शिवम कुमार की। तीन भाईयों में बड़ा शिवम इन दिनों डुमरांव की गलियों में साइकिल पर दहीबड़ा चाट बेचते नजर आता है। वह साइकि के पीछे के कैरियर पर एक पटरी रख उसमें स्टील के दो बड़े कटोरे रखता है। एक में दहीबड़ा तथा दूसरे में चना का चाट, इसके अलावे वह साइकिल के हैंडल में ही प्याज मिर्च, डुमरांव का फेमस मैदा पापड़, मसाले, नमक आदि रखता है तथा ग्राहकों की डिमांड पर पलक झपकते ही कागज के पत्ते (प्लेट) में चटक दहीबड़ा चाट बनाकर दे देता है।

शिवम ने बताया कि वह तीन साल तक मुंबई में सोलर प्लेट बनाने वाली एक कंपनी में काम किया है। वहा उसे मात्र 25 हजार रूपए की पगार मिलती थी। इतने कम पैसे में मुंबई जैस महंगे शहर में रहना तथा दो वक्त की रोटी के बाद माता-पिता के लिए पैसा बचाकर भेजना मुश्किल हो रहा था।

तीन महीना पहले वह डुमरांव आया। घर आने के साथ ही उसने किसी को खोमचे पर दहीबड़ा चाट बेचते देखा। यही से उसे बिजनेश का आइडिया आया तथा मुंबई की कमाई से बचे कुछ पैसों से शिवम ने एक नई साइकिल व स्टील के दो बर्तन खरीदे तथा साइकिल पर ही पूरी दुकान को सेट कर दिया। शिवम का कहना है कि इस रोजगार से मुंबई से अधिक आमदनी होती है। वह पूरे दिन साइकिल पर चाट बेचने के बाद शाम में ठेला पर चाट की दुकान भी लगाता है। शिवम का कहना है कि दहीबड़ा व चाट बनाने में उसके माता-पिता सहयोग करते है।

शिवम की माने तो वह डुमरांव में अपने परिवार के साथ रह इस छोटे से रोजगार से मुंबई से अधिक पैसे कमा रहा है तथा रात में अपने घर में चैन की नींद सो रहा है। शिवम की कहानी उन हजारों बेरोजगार युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो स्थानीय स्तर पर रोजगार नहीं मिलने का बहाना बनाते है। बता दें कि केन्द्र व राज्य सरकार ने युवाओं को हुनरमंद बना उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कुशल युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है। बावजूद युवाओं को रोजगार का आइडिया नहीं आ रहा है, लेकिन शिवम कड़ी कहानी इससे अलग है। उसके साइकिल की घंटी की मधुर आवाज तथा दहीबड़े चाट का चटपटा स्वाद लोगों को स्वतः ही खींच लेता है। तीन महीने में ही शिवम का दहीबड़ा चाट डुमरांव की गलियों में प्रसिद्ध हो गया है और उससे भी बड़ा यह कि शिवम बेरोजगार युवाओं के लिए एक उम्मीद बन गया है।

रविवार को अहले प्रतापसागर व चंदा गांव के बीच की है घटना

एनएच 922 पर भीषण हादसा : खड़ी ट्रक से टकराई बालू लदी टेलर, चालक की मौत, खलासी गंभीर

- हादसे के बाद सामने आई एनएचएआई के अधिकारियों की लापरवाही
- रात से ही तकनीकी खराबी के चलते एनएच पर खड़ी थी ट्रक, बेफिक्र बना रहा एनएचएआई

केटी न्यूज/डुमरांव

एनएचएआई की बेफिक्री तथा स्थानीय प्रशासन की लापरवाही से एनएच 922 पर एक भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में एक टेलर चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका खलासी गंभीर रूप से जख्मी हो जीवन व मौत से जूझ रहा है। घटना रविवार अहले नया भोजपुर थाना क्षेत्र के प्रतापसागर व चंदा गांव के बीच पेट्रोल पंप के सामने उत्तरी लेन की है।

मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सिकंदरपुर निवासी शिव कुमार (22 वर्ष) पिता सुरेश प्रसाद के रूप में हुई है, जबकि खलासी की पहचान नहीं हो सकी है। गंभीर अवस्था में स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर पहुंचाया है, जहां वह जीवन और मौत से जूझ रहा है।

वहीं, घटना की सूचना मिलते ही नया भोजपुर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेने के साथ ही जख्मी खलासी को इलाज के लिए बक्सर भेज आवश्यक कार्रवाई में जुट गई।

तकनीकी खराबी के कारण रात से ही खड़ी थी ट्रक

मिली जानकारी के अनुसार उक्त जगह पर रात से ही एक ट्रक तकनीकी खराबी के चलते खड़ी थी। हालांकि, उसके चालक ने ट्रक में आई तकनीकी खराबी की सूचना स्थानीय प्रशासन या एनएचएआई के टॉल फ्री नंबर पर नहीं दी थी और न ही एनएच पर गश्ती कर रही पुलिस या एनएचएआई कर्मियों की नजर ही उक्त ट्रक पर पड़ी। जिस कारण वहां न तो एनएचआई द्वारा कोई साईनेज ही लगाया गया और न ही ट्रक को ही किनारे खड़ा कराया गया।

इस दौरान सुबह में नासीरीगंज से बालू लाद एक टेलर यूपी की तरफ जा रही थी। संभवतः चालक को झपकी आ गई होगी तथा वह आगे खड़ी ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जोरदार था कि टेलर के अगले हिस्से का परखच्चा उड़ गया था तथा चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका खलासी गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

स्थानीय निवासियों ने दिखाई तत्परता

दुर्घटना की आवाज सुनते ही आस पास के ग्रामीण तत्काल वहां पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो चालक की स्टेयरिंग पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि खलासी भी लहूलुहान हो कराह रहा था।

स्थानीय लोगों ने नया भोजपुर पुलिस को सूचना देने के साथ ही आनन-फानन में जख्मी खलासी व मृतक को टेलर के केबिन से बाहर निकाला। इसी दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

सामने आई एनएचएआई प्रबंधन की लापरवाही

इस घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की लापरवाही एक बार फिर से सामने आई है। बता दें कि इसके पहले भी एनएचएआई प्रबंधन की लापरवाही से एनएच 922 पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी है। बावजूद एनएचएआई प्रबंधन लापरवाही से बाज नहीं आ रहा है जिस कारण तकनकी खराबी के कारण सड़क पर खड़ी वाहनों को समय रहते हटाया नहीं जा रहा है।

सड़क सुरक्षा पर उठ रहे है सवाल

इस घटना ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिया है। बता दें कि हर साल सड़क सुरक्षा जागरूकता के नाम पर सरकार लाखों रूपए खर्च कर रही है। कई मानक तय किए जा रहे है, बावजूद यह धरातल पर नहीं उतर पा रहा है। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है। इस संबंध में नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लिया गया, जबकि गंभीर रूप से जख्मी खलासी को इलाज के लिस सदर अस्पताल बक्सर भेजा गया। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया।

नया भोजपुर में शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, कोरानसराय में पकड़ाई महिला कारोबारी

कोरानसराय। शराब तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान में नया भोजपुर व कोरानसराय पुलिस को सफलता मिली है। नया भोजपुर पुलिस ने जहां शराब की खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है तथा उसकी बाइक जब्त की है वहीं कोरानसराय पुलिस ने एक महिला कारोबारी को पकड़ने में सफलता पाई है। मिली जानकारी के अनुसार नया भोजपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के एनएच 922 पर चंदा गांव के समीप से डुमरांव निवासी दीपक त्रिपाठी को 60 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी बाइक भी जब्त कर ली है। वहीं दूसरी तरफ कोरानसराय पुलिस ने थाना क्षेत्र के मुगांव गांव में छापेमारी कर सुंदरी देवी नामक 34 पीस टेट्रा पैक शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि उक्त महिला कारोबारी शराब की होम डिलीवरी करती थी। गुप्त सूचना पर उसके घर छापेमारी अभियान चला उसे पकड़ा गया है।

डुमरांव पंच मंदिर जाने वाला रास्ता बदहाल, सुरक्षा को लेकर रेल अधिकारियों से समिति ने लगाई गुहार

डुमरांव। डुमरांव रेलवे स्टेशन के समीप स्थित ऐतिहासिक और प्रसिद्ध पंच मंदिर तक आने-जाने वाले रास्ते की जर्जर स्थिति ने श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ा दी है। मंदिर परिसर में श्री हनुमान जी, मां दुर्गा, भगवान भोलेनाथ परिवार, भगवान श्रीराम-लक्ष्मण-जानकी तथा राधे-कृष्ण दरबार प्रतिष्ठित हैं, जहां नवरात्रि पर्व पर प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन-पूजन और संध्या महाआरती में शामिल होते हैं। मंदिर प्रबंध समिति के चेयरमैन नागेंद्रनाथ दुबे ने दानापुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भेजकर इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। उन्होंने बताया कि रेलवे द्वारा विकास कार्य के लिए मंदिर के बगल में करीब 250 फीट लंबा, 200 फीट चौड़ा और लगभग 20 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया है। इस कारण मंदिर से स्टेशन की ओर जाने वाला वैकल्पिक मार्ग अत्यंत दयनीय स्थिति में है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिनमें बारिश का पानी भरा हुआ है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि रास्ते में कहीं भी रोशनी की व्यवस्था नहीं की गई है। जबकि नवरात्र की संध्या महाआरती प्रतिदिन शाम 7 बजे आयोजित होती है, जिसमें पांच किलोमीटर क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। समिति ने आशंका जताई है कि अंधेरे और बदहाल रास्ते में एक साथ हजारों लोगों का गुजरना बड़ा हादसा आमंत्रित कर सकता है। समिति ने रेल प्रबंधन से आग्रह किया है कि नवरात्र के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए इस अस्थायी मार्ग को पैदल चलने योग्य बनवाया जाए तथा रास्ते में पर्याप्त लाइट की व्यवस्था तत्काल की जाए। नागेंद्रनाथ दुबे ने कहा कि 22 सितंबर की शाम से प्रथम महाआरती आरंभ होगी और दशहरा तक यह क्रम चलेगा। ऐसे में समय रहते व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि रेलवे प्रशासन भक्तों की भावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र ही आवश्यक कदम उठाएगा। समिति ने पत्र के अंत में रेलकर्मियों और अधिकारियों के उत्तरोत्तर प्रगति की मंगलकामनाएं भी की हैं।

शास्त्री जयंती पर श्रद्धांजलि और पत्रकार ओझा को भावभीनी विदाई

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय भोला पासवान शास्त्री की 111वीं जयंती सादगी और श्रद्धा के साथ मनाई गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकताओं और नेताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. पांडे ने कहा कि शास्त्री जी तीन बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन कभी भी गरीबों और वंचितों से दूर नहीं हुए। झोपड़पट्टी से लेकर सामान्य जीवनशैली तक, उन्होंने हमेशा सहजता और सादगी को अपनाया। डॉ. पांडे ने कहा कि अगर आने वाली पीढ़ियां उनके पदचिह्नों पर चलना सीख लें तो समाज को बबार्दी से बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष रूनी वर्मा, कुमकुम देवी, भोला ओझा, संजय कुमार पांडेय, संजय दुबे, पप्पू दुबे, जय राम राम, माया देवी, सुशीला देवी, बब्बन तुरहा, अजय यादव, उषा देवी, भैरवनाथ वर्मा, नीरज सिंह, महेंद्र चौबे सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और शास्त्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार रखे। संचालन संजय कुमार पांडे ने किया। कार्यक्रम के अंत में हाल ही में दिवंगत हुए वरिष्ठ पत्रकार अशोक ओझा को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। डॉ. पांडे ने उन्हें याद करते हुए कहा कि दशकभर पहले उन्होंने मेरे प्रेस में कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में योगदान दिया था। उनका विनम्र और सरल व्यक्तित्व हमेशा याद रहेगा।

भाजपा नेता को मातृशोक शोक में डूबा कोरान सराय

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरान सराय निवासी व भाजपा नेता दयाशंकर तिवारी की माता मोती देवी का 84 वर्ष की आयु में पैतृक आवास पर निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और आसपास के गांवों तथा कस्बों से लोगों का जनसैलाब अंतिम दर्शन को उमड़ पड़ा।मोती देवी अपने सरल स्वभाव और धार्मिक प्रवृत्ति के लिए जानी जाती थीं। गांव में वे न सिर्फ तिवारी परिवार की धुरी थीं, बल्कि सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहीं। उनके निधन को ग्रामीणों ने अपूरणीय क्षति बताते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। निधन की सूचना पर क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और भाजपा कार्यकर्ता पैतृक आवास पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में वरिष्ठ नेता गोपाल जी दुबे, इंद्रदेव पांडेय, प्रियव्रत सिंह, लक्ष्मण दुबे, सच्चिदानंद भगत, रामनारायण शर्मा, बलराम पांडेय, अशोक तिवारी, नंदलाल पंडित, देवी दयाल सिंह, भाजपा नेत्री प्रतिभा सिंह, मनोज सिंह, भोला तिवारी और डॉ. संजय कुमार सिंह सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और कहा कि मोती देवी का जाना न सिर्फ तिवारी परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गहरी क्षति है।

बिहार विभा चुनाव 2025 : सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा पर सख्त निगरानी

- गूगल मीट से हुई हाईलेवल बैठक, यूपी-बिहार प्रशासन साथ मिलकर कसेंगे तस्करों पर नकेल

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। खासकर बक्सर समेत सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में शनिवार की शाम समाहरणालय परिसर स्थित एनआईसी में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें गूगल मीट के माध्यम से उत्तर प्रदेश व बिहार के सीमावर्ती जिलों के उच्च पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में उत्तर प्रदेश के गाजीपुर एवं बलिया जिलों के पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं बिहार की ओर से भोजपुर, कैमूर, भभुआ और बक्सर जिलों के अधिकारी भी इसमें शामिल हुए। चुनाव के दौरान दोनों राज्यों के बीच आपसी समन्वय और सहयोग को लेकर कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि चुनावी माहौल में सीमावर्ती क्षेत्रों से शराब और अवैध हथियार की तस्करी की संभावना सबसे अधिक रहती है। ऐसे में संवेदनशील इलाकों की पहचान कर वहां चेक पोस्ट स्थापित करने और सघन जांच अभियान चलाने पर सहमति बनी। यह तय किया गया कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी ताकि चुनाव प्रक्रिया प्रभावित न हो। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर और बलिया जिले के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी ओर से हर संभव सहयोग मिलेगा। दोनों राज्यों के बीच नियमित संवाद और सूचनाओं का आदान-प्रदान सुनिश्चित करने का भी निर्णय लिया गया।

बक्सर जिले के आला अधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर बक्सर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक बक्सर, अपर समाहर्त्ता, अधीक्षक मद्य निषेध, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता तथा उप निर्वाचन पदाधिकारी समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक से यह साफ हो गया कि इस बार बिहार विधान सभा चुनाव में सीमावर्ती जिलों की निगरानी और कड़ी होगी। प्रशासन की कोशिश है कि किसी भी कीमत पर अवैध गतिविधियों को रोककर चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाया जाए।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 22 सितंबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

मौके से एक देशी कट्टा, तीन अर्धनिर्मित पिस्टल और हथियार बनाने के उपकरण बरामद हुए

मुंगेर में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा, दो धंधेबाज गिरफ्तार

एजेंसी/मुंगेर

मुंगेर में बाकरपुर स्थित एक घर में हथियार निर्माण की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। दो हथियार निमार्ता मोहम्मद समीर और तारीफ अनवर को गिरफ्तार किया गया। मौके से एक देशी कट्टा, तीन अर्धनिर्मित पिस्टल और हथियार बनाने के उपकरण बरामद हुए। मुंगेर पुलिस ने मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। मुफ्फसिल थाने की पुलिस को यह गुप्त सूचना मिली थी कि बाकरपुर में एक घर में हथियार बनाए जा रहे हैं। वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर स्पेशल टीम के साथ उस घर में पुलिस की टीम ने छापेमारी की। इस कार्रवाई में दो हथियार निमार्ता गिरफ्तार हुए, जिनकी पहचान मुफस्सिल थाना निवासी मो समीर और मो तारीफ अनवर के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से एक देसी कट्टा, तीन अर्धनिर्मित पिस्टल और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई हथियार तस्करों और निमार्ताओं के खिलाफ चल रही लगातार कार्रवाई का हिस्सा है। गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। मुंगेर में हाथियार निर्माण का इतिहास काफी पुराना रहा है। यही कारण है कि यहां के अवैध हाथियार निमार्ता इस काले धंधे को करने से बाज नहीं आते है। जबकि पुलिस की लगातार कार्रवाई इन हथियार तस्करों और निमार्ताओं के खिलाफ होती है। इस बार मुंगेर के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बाकरपुर में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया गया। पुलिस को इस बात की सूचना मिली थी कि बाकरपुर में एक घर में हथियार का निर्माण किया जा रहा है। जिसके बाद अपने वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस की एक स्पेशल टीम के साथ जब बाकरपुर स्थित एक घर में छापे मारी की गई तो पुलिस ने वहां से हाथियार निर्माण करते दो हथियार निमार्ता जिनकी पहचान मुफस्सिल थाना निवासी मो समीर और मो तारीफ अनवर के रूप में हुई । पुलिस ने वहां से एक देशी कट्टा , तीन अर्धनिर्मित पिस्टल और हथियार बनाए के समान भी बरामद किया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बिहार के पर्यटन स्थलों में तुतला भवानी विदेशी सैलानियों का बन रहा हब : मंत्री

धर्मस्थल : मां तुतला भवानी धाम में 12 करोड़ की विकास योजनाओं का हुआ शिलान्यास

केटी न्यूज/रोहतास

कैमूर पहाड़ी की गोद में बसे प्रसिद्ध तुतला भवानी वॉटरफॉल की सूरत अब बदलने जा रही है। बिहार सरकार ने इसके सौंदर्यीकरण और पर्यटक सुविधाओं के विकास की बड़ी योजना पर काम शुरू कर दिया है। इस पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाएंगे और पूरी योजना इसी वित्तीय वर्ष में लागू होगी। यह जानकारी बिहार सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने सासाराम में अपने दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दी। मंत्री ने कहा कि तुतला भवानी वॉटरफॉल पहले से ही अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है और यहां नागरिक सुविधाओं का आंशिक विकास भी हुआ है। लेकिन अब इसे बड़े पैमाने पर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी है। इसके तहत आने वाले दिनों में देवी स्थान और आसपास के इलाके का सौंदर्यीकरण, सड़क व पार्किंग सुविधा, पर्यटक विश्राम स्थल, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आधारभूत ढांचे का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही इस परियोजना का विस्तृत अनुमान (एस्टीमेट) तैयार कर लिया जाएगा और विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले ही इस मद में राशि का आवंटन भी कर दिया जाएगा। मानसून के मौसम में यह वॉटरफॉल अपनी पूरी रौनक पर होता है और यहां का मनमोहक दृश्य सैलानियों को आकर्षित करता है। हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं, लेकिन पर्याप्त सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सरकार की इस नई पहल से उम्मीद की जा रही है कि तुतला भवानी वॉटरफॉल न सिर्फ स्थानीय पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा बल्कि इससे स्थानीय रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटकों की सुविधा के लिए एक नया झूला पुल बनाया जाएगा

उन्होंने बताया कि धाम परिसर में पर्यटकों की सुविधा के लिए एक नया झूला पुल बनाया जाएगा। इसके अलावा महिला और पुरुष पर्यटकों के लिए पेयजल सुविधा, चेंजिंग रूम, बाथरूम, कैफेटेरिया, पार्किंग जैसी सुविधाओं का निर्माण भी किया जाएगा। इन विकास कार्यों पर कुल 11.89 करोड़ रुपए खर्च होंगे। कार्यक्रम में डॉ. सुनील कुमार ने सबसे पहले मां भवानी के दरबार में पूजा अर्चना की। इसके बाद धाम परिसर की ओर से उन्हें माता की चुनरी पहनाकर और डीएफओ मनीष कुमार वर्मा एवं अन्य नेताओं ने फूल माला से स्वागत किया।

दुर्गा पूजा पर शांति समिति की बैठक में नोखा प्रशासन ने जारी की गाइडलाइन

केटी न्यूज/रोहतास

थाना परिसर नोखा में रविवार को दुगा पूर्जा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक। जिसका नेतृत्व सीओ मकसूदन चौरसिया ने की। मौके पर सीओ ने बताया कि दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न कराने के लिए वरीय अधिकारियों द्वारा विशेष गाईड लाइन जारी की गई है। जिसके अंतर्गत पंडालों में डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। साथ ही अश्लील और भड़काऊ और चोरी छिपे गाना नहीं बजेगा। जबकि सभी पूजा समितियों को भवन निर्माण विभाग, विद्युत विभाग और अग्निशमन विभाग से एनओसी लेना अनिवार्य होगा। पूजा समितियों को पूजा पंडाल के आस पास सीसीटीवी कैमरा लगाना और पार्किंग स्थल बनाना अनिवार्य होगा। किसी भी पूजा पंडाल के पास किसी भी राजनीतिक पार्टी का बैनर या पोस्टर नहीं लगाना है। जबकि थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालकर ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में मां दुगापूर्जा अर्चना के लिए पंडाल निमार्ण कराया जाएगा। सभी पूजा समितियों को लाइसेंस बनाना अनिवार्य होगा, मूर्ति विसर्जन निर्धारित तिथि पर सूर्यास्त से पूर्व कर लेना होगा, पूजा विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की उदंडता गैरकानूनी कार्य करने वालों के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में बीडीओ शोफाली, सभापति राधेश्याम सिंह, ब्रांड एंबेसडर राजेन्द्र सिंह, आफताब आलम, गुलाम मोहम्मद, राकेश कुमार, रमेश चौहान, समाजसेवी विजय सेठ, मनोज चंदेल व जनप्रतिनिधि सहित स्थानीय जनता ने भी बैठक में भाग लिया।

धर्मान्तरण के खिलाफ विश्व हिन्दू परिषद ने बिहार के उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/रोहतास

विश्व हिंदू परिषद के शिष्टमंडल ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर रोहतास जिले में सक्रिय जेम्स संस्था पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। शिष्टमंडल में विहिप के प्रांत मंत्री संतोष सिसौदिया तथा रोहतास जिला मंत्री यश उपाध्याय शामिल थे। उपमुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि विगत सात सितंबर को डेहरी ऑन सोन स्थित जेम्स संस्था के होस्टल में रहने वाली बच्चियों के साथ दुराचार की गंभीर घटना सामने आई। घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे संस्था की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती है। विहिप नेताओं ने आरोप लगाया कि जेम्स संस्था वर्षों से लोभ, लालच और प्रलोभन देकर अनेक जिलों में धर्मान्तरण की गतिविधियां चला रही है। पहले भी बच्चियों के गायब होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जिला मंत्री यश उपाध्याय ने कहा, धर्मान्तरण का कड़ा विरोध करना हमारा कर्तव्य है। किसी को भय या लालच देकर धर्म बदलवाना हमारी संस्कृति पर आघात और समाज की एकता को तोड़ने का षड्यंत्र है। यह न केवल असंवैधानिक है बल्कि गंभीर अपराध भी है। उन्होंने मांग की कि ऐसे संस्थानों को तुरंत बंद किया जाए और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई कर पीड़िताओं को न्याय दिलाया जाए।

एक नजर

पत्रकार के आकस्मिक निधन पर बिक्रमगंज पत्रकार संघ ने शोक जता दी श्रंद्धाजलि

बिक्रमगंज। नगर परिषद स्थित पुराने अनुमंडल कार्यालय परिसर में रविवार को दिनारा प्रखंड के वरीय संवाददाता सतीश चतुर्वेदी के असामयिक निधन पर बिक्रमगंज पत्रकार संघ ने शोक सभा का आयोजन कर दी श्रद्धांजलि। उनके सम्मान में बिक्रमगंज अनुमंडल के विभिन्न दैनिक अखबारों के वरीय पत्रकारों ने उनके दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की। अवसर पर बिक्रमगंज के वरीय पत्रकार पार्थ सारथी पांडेय ने कहा कि दिनारा प्रखंड के बसडीहा निवासी 55 वर्षीय पत्रकार सतीश चतुर्वेदी के शनिवार को असामयिक निधन से पत्रकारिता जगत के लिए अपूर्णीय क्षति है। उनके मृत्यु के बाद उनके पत्नी सहित पुत्र और पुत्री काफी गहरे सदमे में हैं। बताया जाता हैं कि उनके स्व. पिता शिव प्रसाद चौबे भी पत्रकारिता जगत से जुड़े थें। पत्रकार सतीश अपने चार भाइयों में तीसरे भाई थे, जो दिनारा प्रखंड से दैनिक जागरण से करीब 25 वर्ष से जुड़े थे। जिनकी 9 सितंबर को बाइक से अपने गांव जाने के क्रम में अचानक एक नीलगाय के टकराने से गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। जिसके बाद उनका इलाज पटना के पारस हॉस्पिटल में चल रहा था। जिसके बाद उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार भी हो रहा था। लेकिन शनिवार को अचानक करीब 10 बजे दिन में उनका हृदयाघात होने के कारण निधन हो गया। जिसकी खबर मिलते ही पूरे दिनारा प्रखंड व बिक्रमगंज अनुमंडल सहित रोहतास जिला में शोक की लहर दौड़ गई थी। वही रविवार को शोक सभा के दौरान सभी वरीय पत्रकारों ने पत्रकारिता जगत में उनके मार्गदर्शक पर चलने का वचन लिया। शोक सभा मौके पर पत्रकार संतोष भंडारी, रवि प्रकाश, कौशलेश पांडेय, दुर्गेश किशोर तिवारी,राजू रंजन दुबे,संजय पांडेय,अनिल कुमार गिरी,देवेंद्र दुबे,मनोज कुमार,समाजसेवी धनेश्वर तिवारी,नरेंद्र सिन्हा, संतोष चंद्रकांत,चंद्रमोहन चौधरी, रवि रंजन राय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थें।

दुर्गा पूजा पंडालों में बिजली का अस्थाई कनेक्शन लेना होगा अनिवार्य

बिक्रमगंज। विद्युत विभाग ने दुर्गा पूजा पंडालों में अस्थाई बिजली कनेक्शन लेना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए विद्युत विभाग द्वारा पूजा पंडाल कमिटी को अस्थायी कनेक्शन हेतु फॉर्म भी उपलब्ध कराया जा रहा है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने बताया कि शहर एवं ग्रामीण इलाकों में जितने भी पूजा पंडाल बनेंगे वहां बिजली आपूर्ति व्यवस्था को पूजा शुरू होने से पहले ही दुरुस्त कर दिया जाएगा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की पूजा समितियां पंडाल में खपत के अनुमान और भार के अनुसार बिजली कनेक्शन ले सकती है। पूजा समितियां को एक किलोवाट के कनेक्शन के लिए 2049, दो किलोवाट के लिए 2990, तीन किलोवाट के लिए 4004 रुपए देने होंगे। तीन किलोवाट से अधिक भार के कनेक्शन पर अलग अलग दर निर्धारित है। दुगार्पूजा के दौरान निर्वाध विद्युत आपूर्ति हेतु बिजली कंपनी के कर्मियों को फीडर, एलटी लाइन और ट्रांसफार्मरों की पूरी तरह जांच कर मरम्मत करने का निर्देश दिया गया है ताकि पूजा के दौरान तार टूटने, आपूर्ति बंद होने की संभावना नहीं रहे। उन्होंने बताया कि पूजा पंडालों में अस्थाई कनेक्शन के लिए पूजा समिति को विद्युत सब डिवीजन में आवेदन देना होगा। यदि पंडालों के समीप या किसी जगह पर फॉल्ट आता है, तो उसे तुरंत दूर किया जाएगा। इसके लिए भी विद्युत बोर्ड द्वारा तैयारी पूर्ण कर ली गयी है। उन्होंने साफ कहा कि दुगापूर्जा समितियां संबंधित अवर प्रमंडल से संपर्क स्थापित कर अस्थायी कनेक्शन ले लें। बिना कनेक्शन लिए बिजली का उपयोग करने पर कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई से बचने के लिए अस्थायी बिजली कनेक्शन लेना जरूरी है। अवैध कनेक्शन से बिजली उपयोग करने पर शॉर्ट सर्किट या अन्य दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वैध कनेक्शन जरूरी है। बिजली की चोरी के कारण राजस्व का नुकसान होगा। पूजा समितियों को संबंधित अवर प्रमंडल के पास आवेदन करना होगा ताकि जांच के बाद कनेक्शन दिया जा सके। बिना कनेक्शन के बिजली का उपयोग करना नियमों का उल्लंघन है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मानवता सेवा संघ ने जताया शोक

राजपुर । राजपुर प्रखंड क्षेत्र के नीमा गांव में मानवता सेवा संघ द्वारा 15 वर्षीय प्रकाश कुमार की आकस्मिक मृत्यु पर एक मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मानवता सेवा संघ के लोगों ने इस दुख की घड़ी में मृतक के पैतृक आवास पर पहुंच उनके पिता रौशन चौबे और परिजनों से मिल सदैव साथ रहने तथा हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। संगठन के अध्यक्ष अरुण दुबे ने कहा कि इस परिवार पर जो संकट आन पड़ी है,जो हम सबको काफी मर्माहत कर दिया है। मौके पर मानवता सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दुबे, उपाध्यक्ष गुड्डू उपाध्याय,योगेंद्र तिवारी,कौशल किशोर पांडेय, रविकांत तिवारी,रजनी कांत पांडेय, अखिलेश तिवारी, दशरथ मिश्रा,अंजनी तिवारी,श्रीकांत गिरी,संतोष उपाध्याय, मनोज तिवारी, गुप्तेश्वर तिवारी,शेषनाथ तिवारी सहित स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे ।

सड़क किनारे वृक्षों की सफाई कर मनाया गया स्वच्छता अभियान

राजपुर। प्रखंड क्षेत्र के पड़रिया पंचायत के भलुआहीं ग्राम में समाजसेवी संतोष पांडेय के द्वारा भलुआहीं से लेकर नावाडीह तक पेड़ों के छटाई करा कर किया गया सफाई तथा सड़क किनारे की सफाई वनपोशक के द्वारा कराया गया। उन्होंने कहा की सड़क किनारे जंगल सा लग गया था तथा पेड़ों की टहनीयों से गाड़ी आने जाने में बहुत परेशानी होती थी। पेड़ों की टहनियां इधर उधर हो जाने से गाड़ी में टकराती रहती थी जिससे गाड़ी की काफी नुकसान हो जाता था। उन्होंने बताया की इस साल 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिससे मैं हर जगह को स्वछ बनाने का निर्णय लिया हूं।

स्वास्थ्य विभाग की पहल पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ

केटी न्यूज/रोहतास

केंद्र एवं राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार अभियान तहत बिक्रमगंज अनुमंडल के सभी प्रखंडों में 17 सितंबर से स्वास्थ्य शिविर की शुरूआत की गई है, जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान तहत बिक्रमगंज प्रखंड के कुल 15 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर स्वास्थ्य अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं । इन शिविरों में महिलाओं,बच्चों एवं आमजन के लिए ब्लड प्रेशर,शुगर, एनीमिया,टीकाकरण,गर्भवती महिलाओं की जांच,पोषण संबंधी परामर्श एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं । केंद्र एवं राज्य सरकार की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है । बिक्रमगंज पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सौरभ प्रकाश ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से लोगों को घर के पास ही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं । इससे न केवल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ेगी बल्कि समय पर जांच व इलाज से गंभीर बीमारियों से भी बचाव होगा । वहीं बीएचएम अशोक कुमार ने बताया कि स्थानीय प्रखंड के सभी 15 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर स्वास्थ्यकर्मी शिविर को सफल बनाने में पूरी तत्परता से जुटे हैं । अब तक सैकड़ों लाभुक जांच व परामर्श का लाभ ले चुके हैं, आने वाले दिनों में और भी ज्यादा लोगों को इस सुविधा से जोड़ा जाएगा। मौके पर स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारी,स्वास्थ्य कर्मी एवं सैकड़ों आमजन लोग मौजूद रहे।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन ने जनता साथ की शांति समिति की बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

रविवार को काराकाट थाना परिसर में दुगार्पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से बीडीओ राहुल कुमार सिंह,काराकाट थाना के एसआई मिथलेश कुमार राम व रोहित कुमार सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं पूजा समिति अध्यक्ष व सचिवों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने बैठक में शांति पूर्वक दुगार्पूजा पर्व आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुगार्पूजा पर्व के दौरान पूजा पंडाल पर किसी प्रकार का डीजे बजाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। पूजा समिति को भी इस बात का ख्याल रखना होगा कि पूजा पंडाल में किसी प्रकार का भगदड़ न हो। कमिटी द्वारा वॉलिंटियर का भी व्यवस्था हो एवं सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइन के अनुसार ही दुगार्पूजा में कोई समारोह आयोजित किया जाय। बीडीओ ने बताया कि क्षेत्र के हर पंडाल में कमेटी द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर की व्यवस्था करना है। एसआई रोहित कुमार ने कहा कि त्योहार को सौहार्द्रपूर्ण और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को कहा। मौके पर बीडीओ राहुल कुमार सिंह,एसआई मिथलेश कुमार राम,रोहित कुमार, जयशंकर पटेल,बीडीसी अजय साह, जितेंद्र कुमार पाल,सरपंच राजेंद्र राम, जनार्दन राम,अनिल गुप्ता,बीस सूत्री उपाध्यक्ष आशुतोष सिंह,चंदन कुमार सिंह,धीरज कुमार,रॉकी रोशन, कौशल कुमार, कुमार, रविंद्र, कन्हैया,गंगा दयाल सहित जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित थे।

भरत मिलाप में पुष्पक विमान की जगह हेलिकॉप्टर से उतरेंगे भगवान श्रीराम

पटना में गांधी मैदान में रावण वध का किया गया आयोजन

एजेंसी। पटना

इस बार पटना का दशहरा महोत्सव खास होने वाला है। गांधी मैदान में रावण दहन के साथ-साथ भव्य रामलीला का मंचन होगा। रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों को इको-फ्रेंडली पटाखों से दहन किया जाएगा। 5 लाख के पटाखों से तीनों पुतलों को दहन किया जाएगा। इस बार 80 फीट ऊंचा रावण का पुतला, 75 फीट ऊंचा मेघनाथ और 70 फीट ऊंचे कुंभकरण का पुतला बनाया जा रहा है। आगरा के कलाकार इन पुतलों को बनाने में लगे हैं। भरत मिलाप प्रसंग में पहली बार पुष्पक विमान की जगह हेलिकॉप्टर से भगवान राम गांधी मैदान में उतरेंगे। जब श्रीराम लंका

विजय के बाद पुष्पक विमान से अयोध्या लौटे थे, उसी तरह के दृश्य को यहां साकार करने की तैयारी है। रामलीला मंचन 12 दिनों तक होगा। इसके लिए गांधी मैदान में 100/200 वर्गफीट का जर्मन पंडाल बनाया जा रहा है, साथ ही खुले आसमान के नीचे बैठने की भी व्यवस्था होगी। गांधी मैदान में दशहरा महोत्सव पर करीब 35 लाख रुपए खर्च होगा। रामलीला की तैयारी पूरी कर ली गयी है। कल 22 सितंबर से रामलीला गांधी मैदान में शुरू होगा। जो 03 अक्टूबर तक चलेगा। वृंदावन से 35 कलाकारों की टीम रामलीला का मंचन करेगी। प्रतिदिन शाम 6 से 9 बजे तक प्रस्तुति होगी। गांधी मैदान के सभी 12 गेट दर्शकों के लिए खुले रहेंगे। हर गेट का नाम रामायण के पात्रों पर रखा जाएगा – जैसे राम द्वार, शबरी द्वार, केवट द्वार, भरत द्वार। गेट नंबर-1 मुख्य द्वार होगा, जिसका नाम अयोध्या रखा जाएगा। गांधी मैदान में सीतामढ़ी के पुनौराधाम जानकी मंदिर का 10-12 फीट ऊंचा मॉडल स्थापित किया जाएगा।

न्यायमूर्ति पी. बी. बजंथरी बने पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी। पटना

पटना उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति पवन कुमार भीमप्पा बजंथरी को रविवार को राजभवन में शपथ दिलाई गई। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्रिपरिषद के सदस्य, न्यायपालिका और राजनीतिक क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण लोग उपस्थित रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को ही न्यायमूर्ति बजंथरी को पटना उच्च न्यायालय का 46वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया था। इससे पहले 27 अगस्त 2025 को केंद्र सरकार द्वारा उन्हें कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। अब राष्ट्रपति की स्वीकृति और मंत्रालय की अधिसूचना के बाद वे पूर्णकालिक मुख्य न्यायाधीश बने हैं। न्यायमूर्ति बजंथरी का जन्म 23 अक्टूबर 1963 को हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा धारवाड़ स्थित 135 वर्ष पुराने कन्नड़ सांस्कृतिक संगठन "विद्यावर्धक संघ" से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक लिंगायत एजुकेशन सोसायटी से संबद्ध स्कूलों में अपनी शिक्षा जारी रखी। विधि स्नातक की डिग्री उन्होंने बेंगलुरु के एस.जे.आर. लॉ कॉलेज से प्राप्त की। 1990 में उन्होंने कर्नाटक उच्च न्यायालय की बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकन किया और विभिन्न विधिक शाखाओं में अभ्यास किया। इस दौरान वे कर्नाटक लोक सेवा आयोग की ओर से उच्च न्यायालय में भी पक्षकार बने।

बिहार के वकीलों के लिए बड़ी सौगात, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एलान

अब सरकार राज्य के सभी पंजीकृत वकीलों को देगी प्रतिमाह 5000 रुपये

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को राजधानी पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राज्य के वकीलों के लिए एक बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि अब सरकार राज्य के सभी पंजीकृत वकीलों को प्रतिमाह 5000 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी। सीएम नीतीश ने इस घोषणा को न्याय व्यवस्था को सशक्त करने और अधिवक्ताओं को सम्मान देने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में वकीलों की भूमिका बेहद अहम है। वे न केवल अदालतों में न्याय दिलाने का काम करते हैं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी जनता की आवाज बनते हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि उन्हें आर्थिक रूप से मजबूती दी जाए ताकि वे निश्चिंत होकर अपने पेशे का निर्वहन कर सकें। कार्यक्रम में बोलते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि कई बार छोटे-छोटे कस्बों और जिलों में कार्यरत वकीलों को पर्याप्त आय नहीं मिल पाती। कई नए वकील तो शुरूआत के वर्षों में आर्थिक संकट से जूझते रहते हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है कि उन्हें प्रतिमाह 5000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। इस राशि का सीधा भुगतान लाभार्थी वकीलों के बैंक खाते में किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'नये वकीलों को तीन साल तक मिलेगा प्रतिमाह 5000 रुपये! एनडीए सरकार ने 1 जनवरी 2024 से नामांकित सभी नये अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक प्रतिमाह पांच हजार रुपये स्टाइपेंड दिए जाने वाले प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।इसका भुगतान बिहार राज्य बार काउंसिल के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य के अधिवक्ता संघों द्वारा अनुरोध किए जाने पर उन्हें ई-लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपये की एकमुश्त सहायता दी जाएगी। बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को सहायता के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। आयकर दायरे से नीचे की आय वाले अधिवक्ताओं को मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से सहयोग और अधिवक्ता संघों में महिला वकीलों के लिए महिला शौचालय (पिंक टॉयलेट) की व्यवस्था की जाएगी। माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में लगातार बिहार के सभी समाज के हित में विकास कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने विकास मित्रों-शिक्षा सेवकों को दी बड़ी सौगात

सीएम ने एलान करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग तक सरकार की विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में विकास मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए बिहार महादलित विकास मिशन के अन्तर्गत कार्यरत प्रत्येक विकास मित्र को टैबलेट क्रय के लिए एकमुश्त 25 हजार रुपये की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है ताकि उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के डाटा संधारण एवं अन्य कामकाज में सुविधा हो सके। इसके साथ ही विकास मित्रों का परिवहन भत्ता 1900 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 2500 रुपये प्रतिमाह एवं स्टेशनरी भत्ता 900 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे उन्हें क्षेत्र भ्रमण के साथ-साथ दस्तावेजों के संग्रहण में सुविधा होगी।

पीएम मोदी को गाली देने वाले मामले में तेजस्वी यादव और राजद विधायक पर एफआईआर

एजेंसी। पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की वैशाली में बिहार अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को गोली देने के मामले में सियासी घमासान बढ़ता ही जा रहा है। पहले भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। अब तेजस्वी यादव और महुआ के राजद विधायक मुकेश कुमार रोशन के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।यह शिकायत भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य कृष्ण सिंह कल्लू ने दर्ज कराई है। आरोप है कि तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता को अशोभनीय और आपत्तिजनक गालियां दी गईं। साथ ही आरएसएस के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की गई। कृष्ण सिंह कल्लू ने कहा कि यह न सिर्फ एक घोर निंदनीय कृत्य है, बल्कि बिहार की सभ्यता और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान है। उन्होंने मांग की है कि दोषियों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। भाजपा के इन आरोपों पर राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि तेजस्वी जी की 'बिहार अधिकार यात्रा' को मिले अभूतपूर्व समर्थन से भाजपा काफी घबरा गई है। यात्रा में तेजस्वी जी द्वारा जिन मुद्दों को उठाया जा रहा है, भाजपा और उसके सहयोगी उन मुद्दों पर कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है। इसलिए ध्यान भटकाने के लिए भाजपा द्वारा प्रयोजित तरीके से कुचक्र और प्रपंच किया जाता रहा है। बिहार की जनता इसे समझ चुकी है।

मुजफ्फरपुर में अवैध शराब निर्माण का भंडाफोड़ नष्ट की गई हजारों लीटर चूल्हाई शराब

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण का भंडाफोड़ किया गया। खेतों में घूम-घूम कर वहां बनाए जा रहे शराब को नष्ट किया गया। मनियारी थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में शराब अभियान की तहत की तावातोड़ छापेमारी इलाके में मचा खलबली।बिहार में शराब कारोबारी शराब का कारोबार करने को लेकर नए-नए हथकंडे अपनाते नजर आ रहे हैं, वही इन शराब कारोबारी के खिलाफ मनियारी थाना पुलिस भी विशेष अभियान चलाती नजर आ रही है। इसी क्रम में जिले के कुढ़नी प्रखंड अंतर्गत मनियारी थाना क्षेत्र में मनियारी थानाध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता, एलटीएफ प्रभारी अभिषेक कुमार, एस आई अमरेंद्र कुमार एवं टीम के द्वारा मनियारी थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया।जिसमें जमहरूआ , मुरौल,एवं मुरादपुर गांव स्थित मुर्गी फार्म के समीप छापेमारी कर हजारों लीटर अर्ध निर्मित देशी चूल्हाई शराब बरामद कर विनष्ट किया है।वही इस संबंध में थानाध्यक्ष जय प्रकाश गुप्ता ने बताया कि समय-समय पर लगातार छापेमारी अभियान आगे भी चलता रहेगा।

पूर्वी चंपारण के नन्हे वैज्ञानिक चमकाएंगे नाम इन्सपायर अवार्ड मानक में दर्ज की नई उपलब्धि

केटी न्यूज/पूर्वी चंपारण

पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मेहनत और लगन से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) राजन कुमार गिरी के नेतृत्व और समग्र शिक्षा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रह्लाद प्रसाद गुप्ता के कुशल निर्देशन में जिला इंस्पायर अवार्ड मानक कार्यक्रम में लगातार प्रगति कर रहा है। बिहार के शीर्ष 10 जिलों में जगह बनाने के बाद अब लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ 5 में प्रवेश का है। जिले के 27 प्रखंड और 6 अनुमंडल के विद्यालयों से अब तक लगभग 2600 विद्यार्थियों के इन्नोवेटिव आईडियाज ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं। कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों के नए और अनोखे विचारों को विज्ञान शिक्षक, प्रधानाध्यापक और सक्रिय शिक्षकों की मदद से विभाग तक पहुंचाया जा रहा है।

मेहनती शिक्षकों की भूमिका अहम

इस पहल को आगे बढ़ाने में जिले के शिक्षकों की सक्रियता सबसे बड़ी ताकत साबित हो रही है। विज्ञान शिक्षक और प्रधान शिक्षक अपने-अपने विद्यालय और प्रखंडों में बच्चों को प्रेरित कर रहे हैं। सक्रिय शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि का कहना है कि इन्नोवेटिव आईडियाज अपलोड करने से विद्यार्थियों को न सिर्फ विज्ञान की दुनिया में प्रवेश का रास्ता मिलता है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और विकास की नींव भी मजबूत होती है।

घर से लापता छात्र का पेड़ से लटका मिला शव, इलाके में सनसनी

सहरसा। सहरसा के बनगांव थाना इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गयी जब 12 साल के छात्र की लाश बगीचे में पेड़ से लटका मिला। घटना की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की छानबीन शुरू की। इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। वही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान गोरहाडीह, वार्ड नं० - 18 निवासी दौलत मुखिया के पुत्र अंशु कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक मृतक छात्र के पिता ने कल (20 सितंबर को थाने में आवेदन दिया था कि उनका बेटा दोपहर (करीब 3 बजे) से घर से लापता है और अबतक वापस नहीं लौटा है। वहीं आज पुलिस को सूचना मिली कि एक बच्चे का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है।

'अलविदा' कहने से पहले बिहार को मानसून का तोहफा

आज 26 जिलों में बारिश की संभावना

एजेंसी। पटना

बिहार पर मानसून अपने आखिरी दिनों में जमकर मेहरबानी बरसा रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण की वजह से पटना समेत 26 जिलों में रविवार को गरज-चमक के साथ छिटपुट से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने भोजपुर, पूर्णिया, अररिया और मधेपुरा में तो भारी बारिश का रेड अलर्ट भी जारी कर दिया है। शनिवार को पटना में 18.3 मिमी बारिश हुई, जिससे कंकरबाग, बोरिंग रोड जैसे इलाकों में सड़कें तालाब बन गईं। यह सब बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी का कमाल है जो अगले कुछ दिनों

तक बिहार को भिगाने वाला है। राजधानी पटना में दूसरे दिन भी आसमान ने करुणा दिखाई। बीते 24 घंटों में कुल 40.6 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि सिवान के रघुनाथपुर में तो रिकॉर्ड 92.6 मिमी बारिश ने सबको चौंका दिया। अन्य जगहों पर भी फुहारें रुकीं नहीं। सिवान के मैरवा में 85.8 मिमी, समस्तीपुर के रोसड़ा में 79 मिमी, दरभंगा के जाले में 76.4 मिमी और कटिहार के मनीहारी में 61 मिमी वर्षा हुई। अधिकतम तापमान पटना में 31.7 डिग्री सेल्सियस रहा। बेगूसराय में 36 डिग्री की गर्मी ने परेशान किया, लेकिन फिर बारिश ने राहत की सांस दी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आज 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। अगले 24 घंटों के बाद तीन दिनों तक तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आएगी, यानी गर्मी से थोड़ी और निजात मिलेगी। यह चक्रवात उत्तर बिहार को ज्यादा प्रभावित कर रहा है, जहां बाढ़ का और भी खतरा बढ़ गया है। दक्षिणी जिलों में छिटपुट बूंदें गिरेंगी, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। किसानों को सलाह है कि फसलें संभालें और बिजली गिरने के दौरान बचें। कुल मिलाकर, यह मानसून की विदाई का शोरगुल लग रहा है।

सुभाषितम्

लोगों के लिए उदाहरण स्थापित करना दूसरों को प्रभावित करने का एक मात्र साधन है। - अल्बर्ट आइंस्टीन

बेरोजगारी से उपजता संकट

इसमें दोराय नहीं कि वैज्ञानिक तकनीक और आधुनिकता ने मानव जीवन को अभूतपूर्व रूप से सुविधाजनक बनाया है। इंटरनेट, एआई, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसी उपलब्धियों ने हमारी दिनचर्या को सरल बनाने का काम किया है। इसके विपरीत एक सवाल जो तेजी से मन-मस्तिष्क में उठता है कि इस विकास की कीमत आखिर कौन चुका रहा है? दुर्भाग्यवश, जवाब मिलता है, वे करोड़ों लोग जो बेरोजगार हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि परंपरागत भारत में तकनीकी बदलावों ने धीरे-धीरे छोटे-छोटे कामकाज, पारंपरिक व्यवसाय और अनौपचारिक रोजगार को खत्म करने का तेजी से काम किया है। इस स्ट्रक्चरल बेरोजगारी ने समाज की जड़ों को हिलाना शुरू कर दिया है। इसका प्रारंभिक असर गांव और कस्बों में देखने को मिला है। यहां पहले कभी मोबाइल मेमोरी कार्ड में गाने और फिल्में डाउनलोड करने का कारोबार हजारों युवाओं को रोजगार देने का काम करता था, लेकिन सस्ते इंटरनेट ने यह रोजगार निगल लिया। सीधे यूट्यूब और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने मनोरंजन उद्योग में रोजगार का बड़ा हिस्सा छीन लिया। इसी तरह, शादियों और बड़े आयोजनों में सब्जी काटने-धोने जैसे काम लाखों मजदूरों को आजीविका देते थे। अब मशीनें यह काम कुछ ही मिनटों में बहुत ही सफाई से कर देती हैं। निर्माण उद्योग, जो कभी भारी मजदूर वर्ग का सहारा था, वहां भी रोबोटिक पंप और ऑटोमैटिक मशीनों ने जगह बना ली है। जहां पहले एक मिस्त्री के साथ चार-पांच मजदूर मिलकर काम करते थे, अब एक मशीन पूरा काम कर रही है। इससे शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है, ब्लैकबोर्ड और चॉक बेचने वाले छोटे व्यापारी से लेकर पारंपरिक सप्लाई चेन तक सब डिजिटल बोर्ड और स्मार्ट क्लासरूम की भेंट चढ़ गए हैं। घरेलू सेवाओं में भी संकट गहराता नजर आया है। सफाई कर्मियों से लेकर घरेलू कामगार तक, सबकी नौकरियों पर रोबोटिक क्लीनर और स्मार्ट उपकरणों का साया मंडरा रहा है। अगले एक दशक में करोड़ों घरेलू कामगार बेरोजगार हो सकते हैं। मनोरंजन और विवाह उद्योग, जो पहले हजारों फोटोग्राफर और वीडियो एडिटरों को काम देता था, वहां भी एआई आधारित एडिटिंग सॉफ़्टवेयर ने मानवीय कौशल की जगह ले ली है। कपड़ा उद्योग की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। गांव-गांव में दर्जी का काम रेडीमेड कपड़ों और कारखानों की मशीनों ने छीन लिया है। इसी तरह रिक्शा चालकों की आजीविका भी ई-रिक्शा और कॉर्पोरेट निवेशकों के कब्जे में चली गई। स्थानीय स्तर पर प्रॉपर्टी डीलर, इवेंट मैनेजर और बीमा एजेंट जैसे परामर्शदाता भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की वजह से अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। दरअसल, स्ट्रक्चरल बेरोजगारी की सबसे खतरनाक विशेषता यह है कि यह अचानक नहीं आती बल्कि धीरे-धीरे, दबे पांव आती है और खामोशी के साथ यह करोड़ों लोगों की आजीविका छीन लेती है। लोग समझ ही नहीं पाते कि उनका रोजगार कब तकनीक के हवाले हो गया। भारत में आज लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों लोग इस बेरोजगारी के शिकार हो चुके हैं। और आने वाले वर्षों में एआई और ऑटोमेशन के बढ़ते उपयोग से यह संख्या और भी बढ़ने की आशंका बनी हुई है। सवाल यह है, कि इस संकट का समाधान क्या है? विशेषज्ञों की मानें तो केवल तकनीक को दोष देना समाधान नहीं है। जरूरत है स्किल डेवलपमेंट, री-स्किलिंग और वैकल्पिक रोजगार योजनाओं को धरातल पर लाने की। सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां तकनीकी बदलाव रोजगार छीनने की बजाय नए अवसर पैदा करें। उदाहरण के लिए, एआई और मशीनों को संभालने, प्रोग्राम करने और उनकी निगरानी करने के लिए भी मानव कौशल की जरूरत होती है। भारत जैसे युवा देश में यह चुनौती अवसर में भी बदल सकती है। लेकिन शर्त यही है कि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम को देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं। इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्नोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य।

राजनीति को चुनौती देने वाले जननायक नरेंद्र मोदी

- शिवराज सिंह चौहान

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली जमीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त व्यवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है। वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इकट्ठा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा

सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूर्वाभास करा दिया। उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुल ऐसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोजमर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया। ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य के भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है। इन शुरूआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस जमीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली। इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, जमीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में, विभिन्न राज्यों के प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मजबूत पार्टी तंत्रों का निर्माण किया।

साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने पर उन्होंने ये सबक शासन में लागू किए। उदाहरण के लिए, पदभार ग्रहण करने के चंद घंटे बाद ही उन्होंने साबरमती में नर्मदा का जल लाने के विषय में एक बैठक बुलाकर इस बात का संकेत दिया कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन को परिभाषित करेगी। उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन आंदोलन बनाना था, जहाँ प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा का समर्थन किया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याण को नागरिकों तक पहुँचाया, और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुँचाया। नौकरशाहों को दफ्तरों से निकालकर कस्बों और गाँवों तक भेजा गया। उनका मानना है कि शासन लोगों तक वहाँ पहुँचे जहाँ वे रहते हैं, न कि केवल मीटिंग कक्षों तक सीमित रहे। उनके प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंनने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहाँ शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वायं भागीदार बनें। मोदी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है। दशकों से, मोदी बैठकों में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जीवंत संपर्क की बदौलत लोगों की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के तरीकों को जानने की दुर्लभ सहज प्रवृत्ति प्रदर्शित करते आए हैं। यह प्रवृत्ति कठोर प्रशासनिक अनुभव के साथ मिलकर उनकी राजनीति को परिभाषित करती है। मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

नवरात्र पर घर-घर की गई सांझी की प्राण प्रतिष्ठा!

- डा. श्रीगोपाल नारसन

नवरात्र का पर्व नवदुर्गा पूजा के लिए देवी के विभिन्न रूपो की साधना का अवसर है। जिसमे आस्था, लोकसंस्कृति, शिल्प कला और बच्चों में कलात्मक गुणों का समावेश करने की पुरातन परम्परा है।इन्ही में से एक है,नवरात्र पर देवी रूप में सांझी की स्थापना और फिर पूरे नवरात्र सांझी की लोकगीतों के साथ पूजा। देखिए एक बानगी, लिल्ली धोडी रे कौन फिरे सवार,मै था दुलीचन्द बोबो हे, सांझी का लेवणहार। बोबो थोडा पिला दे हे तेरा बीर प्यासा जाए। नवरात्रों पर हर घर में यह लोकगीत पुराने समय से गाया जाता है।सांझी की आरती के रूप में सुबह शाम गाये जाने वाले इस लोग गीत में कही न कही एक संदेश है,साथ ही भारतीय संस्कृति की अनूठी झलक भी इस गीत में देखने को मिलती है। श्राद्ध के अन्तिम दिन अमावस्या को देवी रूप में मिटटी से बनी मां सांझी को प्रतिष्ठित कर मां सांझी की पूरे नवरात्रों तक पूजा अर्चना की जाती है। पहले गांव हो या शहर, घर लडकियां कच्ची मिटटी से नई नई डिजाईन व नये नये साज श्रंगार के साथ सांझी तैयार करती थी। सांझी के साथ चांद तारे से लेकर कई आकृतियां सजाई जाती थी। जो शिल्पकला का अदभुत नमूना होता है। श्राद्ध पक्ष आते ही सांझी बनाने का सिलसिला शुरू हो जाता है और नवरात्र से एक दिन पहले गोबर से चिपकाकर दिवारों पर सांझी लगाई जाती है।समय के साथ सांझी भी हाईटेक हो गई है। अब सांझी घरो में बनाने के बजाए बाजार से खरीदकर लगाई जाती है।एक सांझी 50 रुपए से 500 रुपए तक आसानी से मिल जाती है। ऐसे में सांझी को घर में बनाने की परम्परा अब खत्म प्रायः हो गई है। जिससे घर की लडकियां सांझी बनाने की शिल्पकला से वंचित हो गई है। एक बोध कथा के अनुसार, सांझी एक गरीब परिवार में जन्मी एक ऐसी लडकी थी, जिसे ससुराल भी गरीब ही मिली। ससुराल में सांझी को कई झूठे इल्जाम और ताने सहन करने पडतें थे। यानि सांझी को ससुराल में प्रताडित किया गया। सांझी को मायके लिवाने जब उसका भाई दुलीचन्द उसकी ससुराल आया तो उससे सांझी की पीडा देखी नही गई। हद तो तब हो गई जब ससुराल वालों ने सांझी को उसके भाई के साथ भेजने से इंकार कर दिया।सांझी जिद पर अड गई और भाई दुलीचन्द के साथ मायके चली गई । जहां पहुंचने पर सांझी की आरती उतारकर पूरे गांव ने स्वागत किया। सांझी के मायके में स्वागत के दौरान चना जिसे चाब कहा जाता है,का प्रसाद बाटा गया । तभी से यह पर्व मनाने और पर्व पर चाब के रूप में भीगे हुए चने बांटने की परम्परा है। राधा बल्लभ संप्रदाय के अनुयायी सांझी को राधा कृष्ण की प्रेम भक्ति के रूप व्याख्यायित करते है तो कही कही सांझी की पूजा 16 दिनों तक किये जाने की भी परम्परा है। लोक कथाओं के साथ साथ लोक गीतों में कालजयी सांझी की कथा सहज ही समझ में आ जाती है। सांझी की आरती सुबह शाम करते समय प्रार्थना के रूप में जो लोक गीत गाए जाते है उन लोक गीतो की एक बानगी देखिए, चाब दे री चाब दे सांझी की मां चाब दे , तेरी सांझी जीवे चाब दे ।इसी तरह आरता री आरता सांझी मां आरता ।गाकर सांझी मां की पूजा की जाती है। इसी सांझी मां की प्रतिमा के सामने सांझी स्थापना के अगले दिन कच्ची मिटटी में जौ बोये जाते है। प्रतिदिन सुबह शाम सांझी को स्नान कराते समय व भोग लगाते समय इन बोये गए जौ में नियमित पानी छिडकने से जौ अकुंरित होकर पौधा बनने लगता है जिसे नोरते कहते है। चूंकि दशहरे तक ये नोरते काफी बडे हो जाते है इस लिए इन्ही नोरतों से दशहरे की पूजाकर कर बहने अपने भाईयों के कानो पर नोरते रखकर उनकी दिर्घायु की कामना करती है और बदले में भाई अपनी बहन को सोगात देता है। हांलाकि सांझी प्रतिमा को दशहरे से एक दिन पूर्व ही श्राद्धाभाव से उतारकर किसी दरिया में विर्सजित कर दिया जाता है।घर की लडकिया सांझी प्रतिमा को विर्सजित करते समय उदास भी होती है क्योंकि उन्होने सांझी की प्रतिमा को बडे परिश्रम व उत्साह से बनाया था। परन्तु उन्हे यह ढांढस बंधाकर कि अगले साल फिर सांझी मां आएगी और उन्हे फिर से सांझी की एक अच्छी सी प्रतिमा बनाने का अवसर मिलेगा, लडकियों को मना लिया जाता है।सचमुच लडकियों में सांझी बनाने के नाम पर उनकी शिल्पकला प्रर्दशित करने का नवरात्र एक अच्छा अवसर है। जिसमें कन्या की पूजा के साथ ही स्त्री शक्ति सम्मान के रूप में मां दुर्गा का भावपूर्ण स्मरण किया जाता हैऔर श्रद्धालु पूरे नवरात्र उपवास रखकर मां सांझी व मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते है। साथ ही नन्ही मुन्नी बच्चियों को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। है न भारतीय संस्कृति की यह अनूठी परम्परा ,जहां आधी दुनिया यानि स्त्री जाति के सम्मान का एक बडा अवसर है। शास्त्रों में भी उल्लेख मिलता है कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां ईश्वर वास करते है और जहां ईश्वर वास करते है वह स्थान स्वर्ग बन जाता है।तो आइए इस धरा को भी स्वर्ग बनाए कन्या भ्रूण हत्या होने न दे,बेटी के जन्म पर फक्र करे और उन्हें बेटो के समान पोषण व संरक्षण दे।तभी नवरात्र की सार्थकता है। **और अंत मे,**

शरद नवरात्र की बेला पर
नवदुर्गा का आव्हान करूं
अखंड ज्योति जलाकर
तेरा मै गुणगान करूं
हे शक्ति स्वरूपा प्रथम देवी
जन मन को बदल दो तुम
कन्या भ्रूण हत्या न हो
ऐसा वरदान दे दो तुम
कन्या पर जो कुदृष्टि डाले
उनकी दृष्टि को हर लो तुम
तुम्हारा प्रतिरूप हो कन्याएं
उनमें संस्कार भर दो तुम।

गज पर सवार होके आजा शेरांवांलिए

-किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत आध्यात्मिक, आस्था का प्रतीक रहा है, जो हजारों वर्षों पूर्व के इतिहास में दर्ज है,जिसे हम कहानियों मान्यताओं के रूप में अपने पूर्वजों, पूर्वज पीडियों और वर्तमान में बड़े बुजुर्गों से सुनते आ रहे हैं। भारत एक सर्वधर्म धर्मनिरपेक्ष देश है जहां हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सहित अनेकों जातियों प्रजातियों उपजातियों द्वारा अपने-अपने स्तर व मान्यताओं के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। किसी को कोई पाबंदी नहीं है, यही भारतीय संविधान की खूबसूरती है,यह हम आज इसलिए कह रहे हैं,क्योंकि 22 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक शुभ नवरात्रा दिवस हैं जो प्रतिवर्ष सितंबर-अक्टूबर महीने की भिन्न-भिन्न तिथियों में मनाए जाते हैं। ज्योतिषीय गणना में कभी- कभी तिथियों की वृद्धि या क्षय होता है। 2025 में चतुर्थी तिथि दो बार आ रही है,जिसके कारण यहनवरात्रि 10 दिन की मानी जाएगी। शास्त्रों के अनुसार इस स्थिति में पूजा-विधान में किसी प्रकार की कमी नहीं होती,बल्कि इसे और अधिक शुभ और मंगलकारी माना जाता है। भक्तों के लिए यह अतिरिक्त दिन साधना और देवी उपासना का अवसर है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हुँ कि भारतीय संस्कृति में नवरात्रि केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आध्यात्मिक साधना, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का विराट पर्व है।शारदीय नवरात्रि वर्ष में आने वाली चार नवरात्रियों में सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस बार 2025 की शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर, सोमवार से प्रारंभ हो रही है और 1 अक्टूबर तक चलेगी।सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस बार नवरात्रि 9 नहीं बल्कि 10 दिनों की होगी, क्योंकि चतुर्थी तिथि की वृद्धि (अधिमास) के कारण एक अतिरिक्त दिन जुड़ रहा है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर पृथ्वी पर आ रही हैं, जो समृद्धि, शांति और प्रगति का प्रतीक माना जाता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में देवी का हाथी पर आगमन कृषि समृद्धि, वर्षा की प्रचुरता और सामाजिक संतुलन का द्योतक है।यह किसी एक राज्य में नहीं बल्कि अनेक राज्यों में गहरी आस्था के साथ मनाया जाता है। इस अवधि में कठोर व्रत रखा जाता है अपनी- अपनी मान्यता सार्थकता के अनुसार- चप्पल नहीं पहनना, बाल शेविंग नहीं बनाना, नीचे धरती पर सोना, ब्रह्मचर्य रहना मौन धारण करना सहित अपनी शक्ति के अनुसार अनेक प्रकारों की के बातों से दूर रहने का पालन अपनी मनोकामना पूरा करने, फल की चाहना के लिए मां दुर्गा काली से कामना करते हैं। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार मां दुर्गा गज यानें हाथी पर विराजमान होकर आ रही है।कुछ वर्षा साथ सुख शांतिसमृद्धि लेकर व विसर्जन के दौरान भी वर्षा का योग है। चूंकि इस वर्ष 9 के स्थान पर 10 दिन की नवरात्रा विशेष महत्वपूर्ण योग लेकर आई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शारदीय नवरात्रि 2025-गज पर सवार होके आजा शेरांवांलिएं- शेरावांलिएं मां ज्योतावांलि एं नवरात्रि अब केवल भारत का त्योहार नहीं रहा, बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन गया है। शारदीय नवरात्रि पर्व याद दिलाता है कि महिला केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज की रक्षक और ऊर्जा का स्त्रोत भी है।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	व्यापार के मामले में नए संपर्क बनाने से लाभ प्राप्त हो सकता है और भाग्य भी आपका साथ देने लगेगा।	तुला	आज कार्यस्थल पर अपने पद और अधिकारों को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।
वृषभ	आज कारोबार के मामले में दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक रहने वाला है।	वृश्चिक	कार्यक्षेत्र में आप कुछ विशेष काम करने या योजना बनाने में लगे रह सकते हैं।
मिथुन	व्यापार के मामले में समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उनका समाधान मिल सकता है।	धनु	धन लंबे समय से कहीं अटका हुआ था तो अब वह अचानक से आपको वापस मिल सकता है।
कर्क	विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। लेकिन उनकी बातों पर आपको ध्यान देने से बचना होगा।	मकर	किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है। ऐसे में अपनी वाणी पर संयम रखना जरूरी होगा।
सिंह	आज नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है।	कुंभ	आज यह दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। व्यापार के क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी।
कन्या	कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर सही निर्णय लेने से लाभ मिलेगा। चलते आपका मन भी प्रसन्न रहेगा।	मीन	आज शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों की किसी प्रतियोगिता में जीत हो सकती है।

विशेष

वोटर अधिकार यात्रा चर्चाओं में

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव ने वोट अधिकार यात्रा को लेकर पूरे बिहार में धूम मचा दी थी। दोनों की रैली में भारी भीड़ उमड़ी थी। भीड़ देखकर एनडीए गठबंधन में घबराहट फैल गई थी। रैली के समापन पर तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पद के लिए नाम घोषित करने के लिए राहुल गांधी से कहा था। राहुल गांधी ने उस समय चुप्पी साथ ली थी। अब तेजस्वी यादव अलग यात्रा निकाल रहे हैं। जिसको लेकर बिहार की राजनीति में इंडिया गठबंधन और एनडीए गठबंधन में तेजस्वी यादव की यह रैली चर्चा का विषय बन गई है। कहा जा रहा है, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव में फूट पड़ गई है। चुनाव आते-आते क्या होगा भगवान ही मालिक है। दोनों की अलग-अलग रैली को देखकर एनडीए गठबंधन ने जरूर राहत की सांस ली है।

पीके बनेंगे भस्मासुर?

बिहार विधानसभा के चुनाव में इस बार प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के चुनाव प्रचार को लेकर बड़े जोर-शोर से लग गए हैं पहले यह माना जा रहा था कि वह भाजपा की बी टीम है उनकी पार्टी जीतने वोट कटेगी उसका फायदा एनडीए गठबंधन को मिलेगा लेकिन जिस तरह से पिछले कुछ दिनों में उन्हें बिहार में समर्थन मिला है ब्राह्मण और भूमिहार एकजुट हो रहे हैं। उससे पीके को लगता है, इस विधानसभा चुनाव में उन्हें भारी समर्थन मिल सकता है अब वह भाजपा के नेताओं और नितीश बाबू पर जिस तरह से हमले कर रहे हैं। जिस तरह से बिहार की हवा बदल रही है उसके बाद अब उन्हें एनडीए गठबंधन भस्मासुर के रूप में देखने लगी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1599: लंदन के फाउंडर्स हाल में चौबीस व्यापारियों ने ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन किया. 1776: अमरीकी क्रांति के दौरान राष्ट्रवादी नेता नाथन हेल को अंग्रेजों ने न्यूयार्क में फांसी पर लटका दिया. 1792: क्रांति के दौरान फ्रांस गणराज्य घोषित किया गया. 1862: अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने सभी दासों को स्वतंत्र करने का आदेश दिया. 1914: प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी ने ब्रिटिश बुद्धपोतों को उत्तरी सागर में डूबो दिया, जिससे 141 व्यक्ति मारे गए. 1934: वेल्स की एक खान दुर्घटना में 28 श्रमिक मारे गए. 1937: पोर्ट ब्लेयर से राजनीतिक बंदियों का आखिरी जत्था रवाना हुआ. 1949: सोवियत संघ ने प्रथम परमाणु परीक्षण किया. 1974: होंडुरास में तूफान से पांच हजार से अधिक लोग मारे गए. 1977: जमात ए इस्लामी के संस्थापक मौलाना अब्दुल अली मौदूदी का निधन.

दैनिक पंचांग

21 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.30 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	07.45 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.00 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.21 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.07 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.40 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.11 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	20.51 बजे से
		मिथुन	22.49 बजे से
		कर्क	01.02 बजे से
		सिंह	03.19 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 264 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 01.24 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 09.32 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 19.53 बजे को समाप्त। **करण** चतुष्पद 12.47 बजे तदनन्तर नाग 01.24 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 00° 41' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872474 **जूलियन दिन** 2460939.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 28 **विशेष** आश्विन अमावस्या, सर्व पितृ अमावस्या, सूर्य ग्रहण।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

बिहार झारखंड का कुख्यात उत्तम यादव मारा गया; हजारीबाग में एनकाउंटर

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग पुलिस ने शनिवार को बड़ी कामयाबी हासिल की। कुख्यात अपराधी उत्तम यादव पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया। यह वही अपराधी था जिसने कुछ महीने पहले हथियार लहराते हुए वीडियो जारी कर हजारीबाग और चतरा के व्यापारियों को रंगदारी देने की धमकी दी थी। उसने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर पुलिस प्रशासन को भी खुली चुनौती दी थी। बीते माह उसने हजारीबाग शहर में एक ज्वेलरी दुकान पर गोलीबारी की घटना को अंजाम देकर दहशत फैला दी थी। इसके बाद से ही वह पुलिस के रडार पर था। शनिवार को सिमरिया थाना क्षेत्र के बगरा-जबड़ा मार्ग पर पुलिस और उत्तम यादव के बीच मुठभेड़ हुई। गोलीबारी में उत्तम यादव ढेर हो गया। इस दौरान एक व्यक्ति के घायल होने की भी सूचना है, जिसे इलाज के लिए भेजा गया है। घटनास्थल से पुलिस ने एक अपाची बाइक और हथियार बरामद किए हैं। मुठभेड़ के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। चतरा पुलिस ने भी उत्तम यादव के मारे जाने की पुष्टि की है। वहीं, पुलिस पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच में जुटी हुई है।

धनबाद स्टेशन पर 36 किलो चांदी के आभूषण के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, मथुरा-मेरठ में करने वाले थे सप्लाई

धनबाद, एजेंसी। धनबाद रेल मंडल में आपरेशन सतर्क के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। शनिवार को धनबाद स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या तीन पर आरपीएफ की टास्क टीम ने दो लोगों को 36 ।843 किलोग्राम चांदी के आभूषणों के साथ पकड़ा है। इन आभूषणों का अनुमानित मूल्य लगभग 49,73,805 रुपये है। बताया जा रहा है कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट धनबाद की टीम ने दो संदिग्ध व्यक्तियों के पास दो काले रंग के पिट्ठू बैग और दो काले रंग के हैंड बैग में कुल 10 पैकेट के साथ जिनमें चांदी की धातु से बने मछली के आकार के आभूषण थे। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान शिवेश ठाकुर (31) और राकेश ठाकुर (42) के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि वे ये आभूषण बिहार के बांका जिले के मानिया से लाए थे। वे सड़क मार्ग से जसीडीह पहुंचे जहां से उन्होंने ट्रेन संख्या 18604 में धनबाद के लिए जनरल टिकट लिया। उनका अगला कदम धनबाद से ट्रेन नंबर 13009 से लखनऊ जाना था और फिर मथुरा और मेरठ जाकर इन आभूषणों को बेचना था। उनका मकसद सराफा चौक मथुरा में स्थित अग्रवाल आर्नामेंट्स के मालिक अमित अग्रवाल और मेरठ में मायाराम दुकान के मालिक अंकित को ये आभूषण बेचकर मुनाफा कमाना था। हालांकि, पूछताछ के बाद दोनों लोगों ने इन आभूषणों के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। इसके बाद आरपीएफ ने दोनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्यकर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, वाणिज्य कर विभाग धनबाद को सौंप दिया गया। इस सफल अभियान में उप-निरीक्षक पालिक मिंज और अन्य आरपीएफ कर्मियों की टीम शामिल थी।

प्रदेश में पहली बार किसी सीएचसी में मरीज के घुटने का ट्रांसप्लांट!

पलामू, एजेंसी। झारखंड में पहली बार एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक मरीज का घुटने का ट्रांसप्लांट हुआ है। मरीज बिहार के गया के गुरारू का रहने वाला है। चार वर्ष पहले एक सड़क हादसे में मरीज का घुटना टूट गया था। मरीज सोनू कुमार पलामू के चैनपुर इलाके में कभी ड्राइवर का काम किया करता था। सोनू कुमार चलफिर नहीं सकता था। वह इलाज के लिए पलामू के चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गया, जहां डॉक्टर ने उनके पैर की जांच की। जांच करने के बाद चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने सोनू कुमार को घुटने का ट्रांसप्लांट करने की सलाह दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चमन कुमार ने हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रवीण सिद्धार्थ से संपर्क किया। बाद में डॉक्टरों की टीम ने पलामू के चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार की शाम करीब डेढ़ घंटे तक मरीज सोनू कुमार के घुटने का ऑपरेशन किया और घुटना ट्रांसप्लांट किया। घुटना ट्रांसप्लांट के बाद सोनू कुमार जल्दी ही चलने-फिरने लगे जाएंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहली बार घुटने का ट्रांसप्लांट होने के बाद पलामू के डीसी समीर एस खुद मरीज को देखने पहुंचीं। डीसी समीरा एस ने मरीज सोनू कुमार के साथ बातचीत की, उनका हालचाल जाना और घुटने का ट्रांसप्लांट करने वाले डॉक्टर की टीम से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। मरीज सोनू कुमार का आयुष्मान भारत योजना के तहत घुटने का ट्रांसप्लांट किया गया है। ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीज के घुटने का ट्रांसप्लांट हुआ है। यह एक बहुत बड़ा संदेश है कि सरकारी अस्पतालों में भी एक्सपर्ट डॉक्टर मौजूद हैं और सुविधा उपलब्ध है। कई लोग इलाज के लिए झोलाछाप डॉक्टर और अन्य जगह जाते हैं। घुटने के ट्रांसप्लांट से सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर लोगों का विश्वास बढ़ेगा। सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर ट्रेंड हैं, काफी जटिल ऑपरेशन को भी डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक किया है। यह शुरुआत है आगे भी कई बड़े कदम उठाए जाएंगे। जिला प्रशासन लोगों से अपील करती है कि वह सरकारी अस्पतालों में इलाज की सुविधा उपलब्ध है वह पहुंचे।

धरी की धरी रह गई प्रशासनिक व्यवस्था, जहां की तहां खड़ी रही ट्रेनें,

वंदेभारत को करना पड़ा रद्द

हजारीबाग, एजेंसी। कुड़मी को जनजाति में शामिल करने की मांग को लेकर चार दशक से आंदोलित कुड़मी समाज द्वारा शनिवार को रेल रोको-डहर रोको आंदोलन किया गया, जिसका चरही क्षेत्र में व्यापक असर रहा।

रेलवे स्टेशन और पटरियों पर उमड़ी भीड़ के आगे प्रशासन की व्यवस्था धरी की धरी रह गई। निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद हजारों लोग विभिन्न स्थानों पर जुटे। प्रशासन बेबस दिखा, जिसका खामियाजा रेल यात्रियों को उठाना पड़ा। नतीजतन पदमा से चरही तक कई ट्रेनें खड़ी रहीं। यात्री पैदल ही बच्चों व सामान के साथ स्टेशन और हाल्ट से निकलते दिखे। चरही में विधायक तिवारी महतो भी सैकड़ों समर्थकों के साथ पहुंचे और पटरी पर बैठकर खिचड़ी खाई। पटना-रांची वंदे भारत को रद करना पड़ा। आसनसोल-रांची इंटरसिटी सुबह 10 बजे से हजारीबाग स्टेशन पर ही खड़ी रही। वैसे ही कोडरमा-बरकाकाना पैसेंजर भी हजारीबाग स्टेशन से आगे नही बढ़ सकी। चरही और आसपास के इलाकों में कुड़मी समाज की बड़ी आबादी है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने स्टेशन जाने के रास्ते बंद कर दिए थे, लेकिन लोग जंगल के रास्ते स्टेशन पहुंच गए और ट्रैक पर बैठ गए।

आंदोलन को सफल बनाने के लिए पहले से योजना बनाई गई थी। पुरुषों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर शामिल हुईं। कई लोग ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ स्टेशन पहुंचे और नाचते-गाते नजर आए।

विधायक तिवारी महतो के पहुंचते ही मंच पर उत्साह बढ़ गया। उन्होंने कहा कि जब तक केंद्र ठोस पहल नहीं करता, पटरी खाली नहीं की जाएगी। जगह-जगह आंदोलनकारियों के लिए भोजन का प्रबंध किया गया था। रेलवे मार्ग अवरुद्ध होने से एक्सप्रेस, पैसेंजर और मालगाड़ियों का परिचालन बाधित रहा। पुलिस-प्रशासन की कोशिशें नाकाम रहीं। आंदोलन आदिवासी कुड़मी मंच के बैनर तले हुआ। नेताओं का कहना है कि स्वतंत्रता से पहले उन्हें जनजाति का दर्जा प्राप्त था, लेकिन साजिश के तहत यह अधिकार छीन लिया गया। इस आंदोलन की तैयारी सप्ताह भर से चल रही थी। पुलिस ने बैरिकेटिंग और निषेधाज्ञा लगाई थी, बावजूद इसके लोग जंगल के रास्ते अहले सुबह से स्टेशन पहुंचने लगे।

सक्रिय रहे ये लोग : आंदोलन में परमेश्वर महतो, दशरथ महतो, छात्रधारी महतो, प्रभात कुमार, खेमलाल महतो, किशुन महतो, रामसेवक महतो, नीलकंठ महतो, फुलेश्वर महतो, बालेश्वर महतो, सुरेश महतो, महेश महतो, अरुण महतो, नरेश महतो, मुंशी महतो, किशोर महतो, रवि कुमार महतो, वासुदेव महतो, गंगा प्रसाद, प्रदुमन महतो, रविंद्र महतो, प्रभुनाथ महतो, योगेंद्र महतो, शशि कुमार, लालचंद महतो, अजय महतो, निरंजन महतो, दीप नारायण महतो, देवकी महतो, बृज बिहारी महतो, चौलेश्वर महतो, मुकेश महतो, प्रमोद महतो, गोविंद महतो, रमेश महतो, दिनेश महतो, गणेश महतो, अशोक महतो, ललिता देवी समेत बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं।

विधायक निर्मल महतो भी पहुंचे स्टेशन : मांडू विधायक निर्मल उर्फ तिवारी महतो ने भी चरही स्टेशन पर पहुंचकर आंदोलन को जायज ठहराया। स्टेशन पुलिस छावनी में तब्दील रहा।

एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद, सीसीआर डीएसपी मनोज कुमार सिंह, बीडीओ सह सीओ ललित राम, चरही थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल समेत पुलिस-प्रशासन की टीम तैनात रही। समाचार लिखे जाने तक कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं थी।

दहेज में ट्रैक्टर न मिलने पर दामाद ने ससुर को पीट-पीटकर मार डाला, देवघर में गिरफ्तार

सरैयाहाट (दुमका), एजेंसी। थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव के कदिया टोला में शुक्रवार को दहेज में ट्रैक्टर नहीं मिलने पर दामाद ने ससुर को पीट पीटकर घायल कर दिया।घायल को इलाज के लिए देवघर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित दामाद को गिरफ्तार कर लिया है।

शुक्रवार को गोविंदपुर गांव निवासी पिता रविन्द्र कापरी को पता चला कि उनकी बेटी बीमार है। वे बेटी से मिलने कदिया टोला आए। बातचीत के दौरान दोनों में विवाद हो गया और दामाद सुधीर यादव ने ससुर की बेरहमी से लाठी डंडे एवं पत्थर से पिटाई कर दी।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट भेजा। हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद ससुर को देवघर रेफर कर दिया गया।

देवघर सदर अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रविंद्र के पास अपने तीन ट्रैक्टर है। सुधीर अपने ससुर से एक ट्रैक्टर की मांग कर रहा था, लेकर ससुर ने देने से मना कर दिया। इस बात को लेकर अक्सर दोनों में विवाद होता रहता था। शुक्रवार को रविन्द्र को पता चला कि बेटी को अपेंडिक्स हो गया है। इसके बाद वह बेटी से मिलने चला गया। रविन्द्र बेटी को बेहतर इलाज के लिए घर ले जाना चाहता था, लेकिन दामाद ने जिद पकड़ ली कि अगर ट्रैक्टर नहीं मिला तो वो अपनी पत्नी को ले जाने नहीं देगा। इसी विवाद में उसने ससुर पर जान लेवा हमला कर दिया।थाना प्रभारी राजेंद्र यादव ने बताया कि मृतक की पत्नी ने देवघर पुलिस को बयान दिया है। बयान के आधार पर मामला दर्ज किया जाएगा।

गिरिडीह में नाले में बहे बच्चे का शव मिला:मां बारिश से बचने की कर रही थी कोशिश

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह शहर के गांधी चौक पर शनिवार देर शाम हुई तेज बारिश के दौरान मां की गोद से फिसल कर नाली में समा गए बच्चे की बॉडी मिल गई है। जहां घटना घटी वहां से दो किमी दूर बॉडी बरामद की गई है। बॉडी को गिरिडीह सदर अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद से लगभग 16 घंटे तक तलाशी की गई। घटना उस वक्त हुई जब मासूम अंकुश ठाकुर अपने माता-पिता के साथ कपड़ा खरीदने आया था। अचानक मूसलाधार बारिश शुरू हुई तो उसकी मां बच्चे को गोद में लेकर नाले के किनारे खड़ी हो गई।

तभी बच्चा मां की गोद से फिसलकर सीधे नाले में गिर गया और तेज बहाव में बह गया। परिजनों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही पलों में मासूम आंखों से ओझल हो गया। घटना के बाद गांधी चौक पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देखते ही देखते सैकड़ों लोग जुट गए।

घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना पुलिस, जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू हुआ। नाले के कई हिस्सों को तोड़ने के लिए तीन जेसीबी मशीन लगाई गईं। भारी बारिश और अंधेरे के बीच भी घंटों तक खोजबीन चलती रही। इस दौरान बच्चे की मां पास के दुर्गा मंदिर में प्रार्थना कर रही थी। देर रात करीब तीन बजे तक जेसीबी और पंप की मदद से नाले में तलाश जारी रही, लेकिन बच्चे का कोई पता नहीं चल पाया। लगातार बारिश और रात गहराने के कारण ऑपरेशन अस्थायी रूप से रोकना पड़ा।

रविवार सुबह एक बार फिर बड़े पैमाने पर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। नगर थाना प्रभारी ज्ञान रंजन ने बताया कि सुबह से ही जेसीबी और अन्य संसाधनों की मदद से नाले की खुदाई और पानी निकालने का काम हो रहा था। इधर, घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। देर रात से ही लोग प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। रविवार सुबह आक्रोशित लोगों ने शहर के बड़ा चौक पर सड़क जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

केमिकल फैक्टरी में अचानक लगी भीषण आग, तेज धमाके के साथ उठी आग की लपटें; मची अफरातफरी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के इरबा इलाके में शुक्रवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक केमिकल फैक्टरी में अचानक भीषण आग लग गई। सुबह करीब 9 बजे आसपास के लोगों ने फैक्टरी से धुआं उठता देखा, तभी तेज धमाके के साथ आग की लपटें निकलनी शुरू हो गईं। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोग अपनी-अपनी जान बचाने के लिए घरों से बाहर निकल आए। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आसपास के इलाकों को खाली कराया और लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। फैक्टरी के पास बने कई छोटे-छोटे मकान भी खतरे में आ गए, लेकिन समय रहते लोगों को बाहर निकाल लिया गया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घंटों की मशक्कत के बाद भी आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका था। आग इतनी भीषण थी कि दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा जा सकता था। फायर ब्रिगेड के कर्मी लगातार आग बुझाने की कोशिश में जुटे रहे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले फैक्टरी से धुआं निकलता दिखा और फिर अचानक जोरदार धमाका हुआ। धमाके के बाद फैक्टरी की खिड़कियां और दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे की वजह से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिर भी फैक्टरी को आग से भारी नुकसान हुआ है। लाखों का सामान जलकर खाक हो गया।

प्रशासन और पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। आग लगने की असली वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक अनुमान लगाया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट या किसी केमिकल रिएक्शन की वजह से यह भीषण हादसा हुआ। जांच टीम फैक्टरी के कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल से सैंपल भी लिए जा रहे हैं। इलाके के लोग अब भी दहशत में हैं। फिलहाल प्रशासन ने आसपास के इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें।

प्रदेश सरकार के कर्मचारियों का हुंकार, रिटायरमेंट की आयु 62 वर्ष करने समेत 11 सूत्री मांगों को लेकर महाजुटान

रांची , एजेंसी। झारखंड सरकार के कर्मचारियों ने सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 62 वर्ष करने समेत 11 सूत्री मांगों को लेकर हुंकार भरा। झारखंड ऑफिसर टीचर्स एंड एम्प्लॉई फेडरेशन यानी झारोटैफ के बैनर तले जिला स्कूल मैदान में कर्मचारी संकल्प महासम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें सरकार से सरकारी कर्मचारियों के बीच विषमता को दूर करने की मांग की गई। कर्मचारियों के इस महाजुटान को मंत्री सुदिव्य कुमार, मंत्री दीपक बिरुवा, राज्यसभा सांसद महुआ माजी आदि ने संबोधित किया।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने सरकारी कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के इतिहास में हिंदुस्तान के किसी सरकारों का कर्मचारियों से अन्योन्याश्रय संबंध है तो वह हमें आ कर बता दीजिएगा।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार इस बात की आलोचना का पात्र बनी कि वह कर्मचारियों से डरती है। जबकि हमारे मुख्यमंत्री का कहना था कि ना हमारे कर्मचारी हमारे अधीन हैं और ना ही हम उनसे डरते हैं। झारखंड के कर्मचारी यहां के बेटे-बेटियां हैं, जिनके हक और अधिकार की रक्षा करना हेमंत सरकार का काम है।

इस मौके पर राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने सरकार के प्रति कर्मचारियों के विश्वास की सराहना की। उन्होंने कहा कि आपकी मांगों को हमलोग सरकार तक पहुंचाने का काम करेंगे। संकल्प महासम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के प्रति संजिदा है और इन मांगों पर जरूर विचार किया जाएगा।

मंत्री से मिले आश्वासन से कर्मचारी गदगद : झारोटैफ द्वारा आयोजित इस संकल्प महासम्मेलन में राज्य सरकार के मंत्रियों से मिले आश्वासन से कर्मचारी खुश दिखे। प्रांतीय अध्यक्ष विक्रांत सिंह ने उम्मीद जताते हुए कहा कि आने वाले समय में सरकार हमारी प्रमुख चार मांगें जिसमें सेवानिवृत्त 60 साल के स्थान पर 62 साल करने के अलावे शिक्षकों को एमएसीपी, शिशु शिक्षण भत्ता और एनपीएस में जमा राशि वापस लाने जैसी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए लागू करने का काम करेगी।

झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा ने मंत्रियों के सकारात्मक रुख की सराहना की। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि दीपावली और छठ तक सरकार जरूर इन मांगों पर विचार करते हुए कुछ निर्णय लेगी। बहरहाल, ओल्ड पेंशन स्कीम, मेडिकल इंश्योरेंस सहित हेमंत सरकार द्वारा पिछले कार्यकाल में अन्य सुविधाओं को लागू करने से कर्मचारी उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि सरकार इन मांगों पर भी सकारात्मक कदम जरूर उठाएगी।

झारखंड की 4345 पंचायतों का होगा सोशल ऑडिट, योजनाओं का होगा खुला हिसाब

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। झारखंड सरकार ने पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य की कुल 4,345 पंचायतों में पंचायती राज विभाग की योजनाओं का सोशल ऑडिट कराया जाएगा। इसमें पलामू जिले की 265 पंचायतें भी शामिल हैं। सोशल ऑडिट के जरिए पंचायत भवनों, पंचायत ज्ञान केंद्र, डिजिटल पंचायत योजना सहित विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की गतिविधियों व उपलब्धियों की समीक्षा की जाएगी। इस दौरान योजनाओं के क्रियान्वयन, पारदर्शिता और जनता को मिले लाभ की गहन जांच की जाएगी। इस संबंध में पंचायती राज निदेशक ने झारखंड सोशल ऑडिट सोसाइटी के निदेशक को पत्र लिखकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पंचायत स्तर पर योजनाओं की सही स्थिति सामने आ सके और खामियों को दूर किया जा सके। ग्रामीण विकास और पंचायती राज से जुड़ी योजनाओं की पारदर्शिता पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं।

सोशल ऑडिट से न केवल वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी, बल्कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होगी। मनरेगा योजना- श्रमिक पंजीकरण, जॉब कार्ड, कार्य स्वीकृति, जियो टैगिंग, मस्टर रोल, ई-एमबी प्रविष्टि, मजदूरी और सामग्री सूची, एफटीओ प्रक्रिया और संबंधित समस्याओं का निराकरण। पंचायत भवन और सचिवालय- इंटरनेट, पेयजल, बिजली, सुरक्षा, साफ-सफाई, जेनरेटर ईंधन और अन्य आकस्मिक खर्चों के लिए आवंटित मासिक अनुदान का सही उपयोग।पंचायत ज्ञान केंद्र - लाइब्रेरी, किताबें, पत्रिकाएं, कंप्यूटर, फर्नीचर, टीवी, समितियों की गतिविधियां और जनता के लिए उपलब्धता। डिजिटल पंचायत योजना- आधार कार्ड, बैंकिंग, आहार सेवा, पोस्टल सेवा, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, झारसेवा की सेवाएं।

पूजा में फूड स्टॉल की होगी जांच, मिलावट मिली तो जेल

रांची, एजेंसी। रांची रांची में दुर्गोत्सव के दौरान दर्शनार्थियों को साफ-स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन ने ठोस रणनीति बनाई है। दुर्गा पूजा से लेकर दीपावली तक रोजाना खाद्य सामग्री की जांच के लिए अभियान चलेगा। इसके लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में अलग टीम बनाई गई है।

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने टीम को होटल, रेस्टोरेंट सहित स्ट्रीट फूड की भी जांच करने का निर्देश दिया है। प्रशासन ने मिलावट रोकने के लिए गाइडलाइन जारी की है। जांच में किसी खाद्य सामग्री में केमिकल या अन्य मिलावट मिलती है, तो संबंधित दुकानदार पर जुर्माना लगाने के साथ जेल भेजने की कार्रवाई होगी। डीसी ने पूजा पंडालों और आसपास लगे खाद्य सामग्री के स्टॉल के नमूने की जांच करने का निर्देश दिया है, ताकि किसी भी हाल में मिलावटी खाद्य सामग्री लोग नहीं खा सके। खाद्य सामग्री बेचने वाले सभी विक्रेताओं को एफएसएसएआई से लाइसेंस लेना होगा। लाइसेंस को दुकान में प्रदर्शित करना होगा। स्ट्रीट वेंडरों को रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

दूध, खोवा, पनीर, तेल, घी, मिठाई एवं ड्राई फ्रूट्स की जांच में मिलावट पाए जाने पर तत्काल नमूना ली जाएगी और दुकानदार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। खाद्य सामग्री में औद्योगिक रंग, अखाद्य रंग, डिटर्जेंट, यूरिया या अन्य हानिकारक रसायनों का प्रयोग करने पर संबंधित दुकानदार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई दुकान व स्ट्रीट फूड वेंडरों को खाद्य सामग्री को साफ एवं ढककर रखना होगा। सभी खाद्य कारोबारियों को अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच करानी होगी। मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र रखना आवश्यक है। मिठाई और ड्राई फ्रूट्स के गिफ्ट पैक पर सभी सामग्री की सूची अंकित करना अनिवार्य होगा। होटलों में मिठाई पर उसके बनने और एक्सपायरी डेट लिखना होगा।

सड़क पर खाद्य सामग्री बेचने वाले ठेला-खोमचा वालों को भी लाइसेंस लेना होगा। रांची में हरेक वर्ष जब त्योहार शुरू होता है तभी मिलावट पर प्रशासन की नींद खुलती है। इसके बाद खाद्य सुरक्षा टीम शांत होकर बैठ जाती है। त्योहार के दौरान प्रशासन द्वारा जो सैंपल लिए जाते हैं, उसमें मिलावट मिलती है तो संबंधित दुकानदारों पर जुर्माना लगाकर छोड़ दिया जाता है। पिछले वर्ष भी करीब 38 होटल,रेस्टोरेंट पर जुर्माना लगाया गया। लेकिन मिलावटखोरों के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई। इसका नतीजा है कि अभी भी रांची में बिहार और बंगाल से मिलावटी पनीर, खोवा पहुंच रहा है। स्ट्रीट फूड स्टॉल पर मिलावटी पनीर ही खपाया जा रहा है।

बी साईराम बने कोल इंडिया के नए चेयरमैन, 34 साल तक कोयला क्षेत्र में काम करने का अनुभव

धनबाद, एजेंसी। कोल इंडिया का नए चेयरमैन के लिए एनसीएल के सीएमडी बी साईराम का चयन कर लिया गया है। शनिवार को नए चेयरमैन के रूप में 11 लोगों साक्षात्कार देने के बाद उनके की घोषणा लोक उद्यम चयन बोर्ड ने जारी की। वैसे कोल इंडिया से तीन दावेदार जिसमें कोल इंडिया के निदेशक विक्रय मुकेश चौधरी, सीसीएल सीएमएडी एनके सिंह, एनसीएल सीएमडी बी साईराम।

बोर्ड ने कोल इंडिया के चेयरमैन का चयन के लिए शनिवार सुबह साढ़े नौ बजे से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साक्षात्कार लिया गया। मौजूदा चेयरमैन पीएम प्रसाद एक नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे है। उनके चयन पर कोल इंडिया परिवार ने बधाई दी है।

नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के बी साईराम सीएमडी हैं। उन्होंने एनआईटी रायपुर से स्नातक खनन इंजीनियर को कोयला क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक का काम करने का बेहतर अनुभव है।

उन्होंने खदान संचालन, योजना, रसद और नियामक पहलुओं में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने ऊर्जा प्रबंधन में पीजीडीएम की डिग्री भी प्राप्त की है। वे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) में काम किया है। अपनी नई भूमिका में ज्ञान और अनुभव का खजाना लेकर आएंगे।

एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस, दिल्ली में ऊर्जा प्रबंधन में 15 महीने का पूर्णकालिक आवासीय पीजीडीएम किया है। उन्होंने सिंगापुर के नानयांग बिजनेस स्कूल में 15 दिवसीय परिवर्तनकारी इमर्शन प्रोग्राम भी किया है। जिससे वैश्विक ऊर्जा गतिशीलता की उनकी समझ का असर दिखेगा।

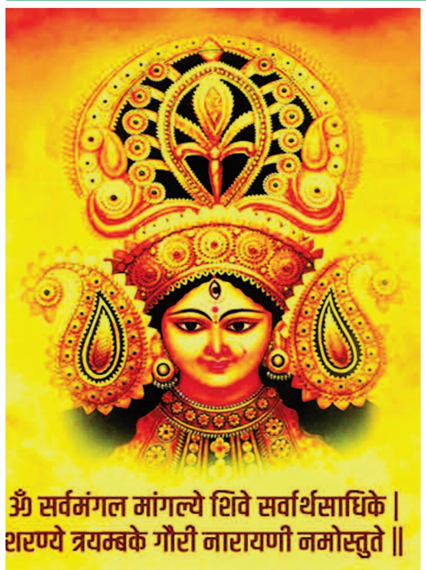

शारदीय नवरात्रि इस बार 9 नहीं 10 दिन रहेंगे

शारदीय नवरात्रि 2025 का त्योहार इस साल 22 सितंबर, सोमवार से शुरू होकर 2 अक्टूबर, गुरुवार को विजयदशमी (दशहरा) के साथ समाप्त होगा। इस बार नवरात्रि 9 दिन के बजाय 10 दिन की होगी, जिसका कारण चतुर्थी तिथि का दो दिन होना है। यह एक विशेष और शुभ संयोग माना जाता है।

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

घटस्थापना के लिए 22 सितंबर 2025 को दो शुभ मुहूर्त हैं।
पहला मुहूर्त सुबह 06.11 बजे से सुबह 07.52 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त – सुबह 11.51 बजे से दोपहर 12.39 बजे तक

विशेष संयोग

इस साल शारदीय नवरात्रि के 10 दिन होने का कारण चतुर्थी तिथि का दो दिनों तक रहना है। इसके अलावा, इस बार माँ दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं, जिसे सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यह एक दुर्लभ संयोग है जो पूजा के विशेष फल देगा।

देवी पूजन से पहले कलश स्थापना बेहद जरूरी

इस बार शारदीय नवरात्र 22 सितंबर से प्रारंभ होंगे और एक अक्तूबर को पूर्ण होंगे। जब भी सोमवार से नवरात्र शुरू होते है तो मातारानी हाथी पर सवार होकर आती हैं जो बहुत शुभ और फलदायी माने जाते हैं। हिंदू पुराणों में मान्यता है कि कलश को भगवान विष्णु का रूप माना जाता है इसलिए देवी की पूजा से पहले कलश का पूजन किया जाता है।

शारदीय नवरात्रि पर बना बेहद शुभ संयोग

शारदीय नवरात्रि का पर्व हर साल देशभर में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस बार 22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि आरंभ हो रहे हैं। इन 9 दिनों में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरुपों की पूजा की जाती है। इन 9 दिनों का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि, जो भक्त इन दिनों में माता रानी की सच्ची उपासना करता है मां दुर्गा उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। शारदीय नवरात्रि का आरंभ आश्विन प्रतिपदा तिथि से होता है और समापन दशमी तिथि को होता है। वैसे को माता का वाहन शेर है लेकिन, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा अलग-अलग वाहन से आगमन और प्रस्थान करती हैं। माता के अलग-अलग वाहन पर आने और जाने का प्रभाव भी अलग होता है।

नवरात्रि का आरंभ कब से हो रहा है?

शारदीय नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर से हो रहा है और 2 अक्टूबर को दशमी तिथि के दिन नवरात्रि का समापन हो जाएगा। साथ ही इस बार नवरात्रि पर ग्रहों का बहुत ही शुभ संयोग बना हुआ है। नवरात्रि पर इस बार बुधादित्य राजयोग, भद्र राजयोग, धन योग (चंद्र मंगल युति तुला राशि में), त्रिग्रह योग (चंद्रमा बुध और सूर्य की युति कन्या राशि में), और गजेसरी राजयोग का शुभ संयोग रहने वाला है। नवरात्रि का आरंभ गजकेसरी राजयोग से हो रहा है क्योंकि, गुरु और चंद्रमा एक दूसरे से केंद्र भाव में होंगे। गुरु मिथुन राशि में और चंद्रमा कन्या राशि में गोचर करेंगे जिससे गजकेसरी राजयोग का निर्माण होगा। साथ ही इस बार मां दुर्गा भी गज पर सवाल होकर आ रही हैं तो यह बेहद ही दुर्लभ संयोग हैं।

नवरात्रि 2025 मां दुर्गा का वाहन

शशिसूर्ये गजारूढ़ा , शनिभौमे तुरंगमे ।
गुरुशुक्रे च दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता ।।
फलम् – गजे च जलदा देवी , छत्रभङ्ग तुरंगमे ।
नौकायां सर्व सिद्धिस्यात् दोलायां मरणं धुव्रम् ।।

इस बार शारदीय नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर सोमवार से हो रहा है। जब भी नवरात्रि का आरंभ रविवार या सोमवार से होता है तो उस दिन माता का आगमन गज यानी हाथी पर होता है। श्रीमदेवी भागवत महापुराण के अनुसार, जब भी माता का आगमन हाथी पर होता है तो यह बेहद ही शुभ माता जाता है। माता के हाथी पर आगमन का अर्थ है कि कृषी में वृद्धि होती साथ ही देश में धन समृद्धि में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

नवरात्रि 2025 मां दुर्गा के प्रस्थान का वाहन

शशिसूर्यदिने यदि सा विजया, महिषा गमनेरूज शोककरा,
शनिभौमे यदि सा विजया चरणायुधयानकरी विकला
बुधशुक्रे यदि सा विजया गजवाहनगा शुभवृष्टिकरा ,
सुरराजगुरौ यदि सा विजया नरवाहनगा शुभसौख्यकरा ।।

शारदीय नवरात्रि का समापन 2 अक्टूबर गुरुवार विजयदशमी के दिन होगा। जब भी माता का प्रस्थान गुरुवार के दिन होता है तो मां दुर्गा मनुष्य की सवारी करके प्रस्थान करती हैं।
इस बार भी मां मनुष्य की सवारी करके प्रस्थान करेंगे जिसे बहुत ही शुभ संकेत माना गया है। इसका मतलब है कि लोगों के बीच प्रेम बढ़ेगा और सुथ शांति बनी रहेगी।

नवरात्रि किस दिन कौन सी देवी की पूजा करें?

नवरात्रि पहला दिन 22 सितंबर 2025 – मां शैलपुत्री की पूजा
नवरात्रि दूसरे दिन 23 सितंबर 2025 – मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
झनवरात्रि तीसरे दिन 24 सितंबर 2025 – मां चंद्रघंटा की पूजा
नवरात्रि तीसरे दिन 25 सितंबर 2025 मां चंद्रघंटा की पूजा
नवरात्रि चौथा दिन 26 सितंबर 2025 – मां कूष्माण्डा की पूजा
नवरात्रि पांचवां दिन 27 सितंबर 2025 – मां स्कंदमाता की पूजा
नवरात्रि छठा दिन 28 सितंबर 2025 – मां कात्यायनी की पूजा
नवरात्रि सातवां दिन 29 सितंबर 2025 – मां कालरात्रि की पूजा
नवरात्रि आठवा दिन 30 सितंबर 2025 – मां महागौरी सिद्धिदात्री की पूजा
नवरात्रि नौवां दिन 1 अक्टूबर 2025 – मां सिद्धिदात्री की पूजा
नवरात्रि दसवा दिन 2 अक्तूबर 2025 – विजयदशमी

बता दें कि इस बार नवरात्रि में तृतीया तिथि दो दिन लग रही है। इसलिए 24 और 25 सितंबर दोनों ही दिन मां चंद्रघंटा की उपासना की जाएगी।

शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू होंगे। इन नौ दिनों में दुर्गा मां के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाएगी। इस बार नवरात्रि पर कई शुभ योग बन रहे हैं। माता दुर्गा गज पर सवार होकर आएंगी, जो समृद्धि का प्रतीक है।

नवरात्रि व्रत में किन-किन नियमों का करना चाहिए पालन

22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जो 2 अक्तूबर को समाप्त होंगे। देवी के आने से सभी के जीवन में खुशियां और सुख-समृद्धि का वास होता है। इस दौरान घरों व पंडालों में माता का भव्य तरीके से स्वागत किया जाता है, जिसकी तैयारी महीने भर पहले शुरू हो जाती है। नवरात्रि के ये नौ दिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों को पूरी तरह से समर्पित है। इस अवधि में देवी की विधि विधान से पूजा की जाती हैं। वहीं महिलाएं परिवार की तरक्की और खुशहाल जीवन के लिए नौ दिनों तक उपवास रखती हैं, जिससे माता रानी प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में उपवास रखने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। लेकिन व्रत के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाता है, जिससे पूजा का संपूर्ण फल मिलता है।

नवरात्रि व्रत नियम

- हिंदू धर्म में कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। नवरात्रि के व्रत का पारण हमेशा कंजका का पूजन करने के बाद होता है। ऐसे में किसी भी कन्या व महिला को अपमानित न करें। हमेशा उनके प्रति सम्मान का भाव रखें।
- नवरात्रि का व्रत रख रहे लोगों को तामसिक भोजन से परहेज रखना चाहिए। इस दौरान साधक को सात्विकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित है। इस दौरान दिन के अनुसार माता के स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। पूजा में हमेशा दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तसती का पाठ करें, इससे देवी प्रसन्न होती हैं।
- नवरात्रि में अगर आपने कलश स्थापना, अखंड ज्योति या चौकी लगाई है, तो घर को कभी खाली न छोड़े। ऐसा करना अशुभ होता है।
- यदि आप नौ दिनों का उपवास रख रहें हैं, तो बीच में व्रत न तोड़ें। यदि कोई गंभीर परिस्थिति है, तो देवी से क्षमा मांगे और व्रत नियमानुसार खोल लें।
- नवरात्रि के दिनों में घर में प्याज लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप व्रत नहीं रख रहें हैं, तब भी घर में इसका सेवन न करें।
- पैराणिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा घरों में भ्रमण करती हैं, तो घर को खाली न छोड़े। हमेशा घर में उजाला व रौनक बनाएं रखें, इससे सुख-समृद्धि का वास होता है।

अद्भुत, गोपनीय और रहस्यमयी हैं मां दुर्गा के 32 नाम

दानव महिषासुर के वध से प्रसन्न और निर्भय हो गए त्रिदेवों सहित देवताओं ने प्रसन्न भगवती से ऐसे किसी अमोघ उपाय की याचना की, जो सरल हो और कठिन से कठिन विपत्ति से छुड़ाने वाला हो। 'हे देवी! यदि वह उपाय गोपनीय हो तब भी कृपा कर हमें कहें।' मां भगवती ने अपने ही बत्तीस नामों की माला के एक अद्भुत गोपनीय रहस्यमय किंतु चमत्कारी जप का उपदेश दिया जिसके करने से घोर से घोर विपत्ति, राज्यभय या दारुण विपत्ति से ग्रस्त मनुष्य भी भयमुक्त एवं सुखी हो जाता है। मां दुर्गा को अपने यह 32 नाम अति प्रिय हैं। इन्हें सुनकर वे पुलकित हो जाती हैं।

कैसे करें जाप

देहशुद्धि के बाद कुश या कंबल के आसन पर बैठकर पूर्व या उत्तर की तरफ मुंह करके घी के दीपक के सामने इन नामों की 5/ 11/ 21 माला नौ दिन करनी है और जगत माता से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की याचना करनी है।

मां दुर्गा के 32 नाम

1.दुर्गा, 2.दुर्गतिशमनी, 3.दुर्गाद्विनिवारिणी, 4.दुर्गमच्छेदनी, 5.दुर्गसाधिनी, 6.दुर्गनाशिनी, 7.दुर्गतोद्धारिणी, 8.दुर्गनिहन्त्री, 9.दुर्गमापहा, 10.दुर्गमज्ञानदा, 11.दुर्गदैत्यलोकदवानला, 12.दुर्गमा, 13.दुर्गमालोका, 14. दुर्गमात्मस्वरुपिणी, 15.दुर्गमार्गप्रदा, 16. दुर्गम विद्या, 17.दुर्गमाश्रिता, 18.दुर्गमज्ञान संस्थाना, 19.दुर्गमध्यान भासिनी, 20. दुर्गमोहा, 21.दुर्गमगा, 22.दुर्गमार्थस्वरुपिणी, 23.दुर्गमासुर संहंत्रि, 24.दुर्गमायुध धारिणी, 25.दुर्गमांगी, 26.दुर्गमता, 27.दुर्गम्या, 28. दुर्गमेश्वरी, 29.दुर्गभीमा, 30.दुर्गभामा, 31. दुर्गमो, 32.दुर्गोद्धारिणी।

कैसे मनाएं नन्ही कन्याओं के पूजन का उत्सव

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है। अगर आप नौ दिनों तक पूजन नहीं कर सके तो अंतिम दो दिन शुभ और बेहतर अवसर होते हैं कन्या पूजन के लिएआइए जानें 9 दिन कैसे करें कन्या पूजन.

- सबसे पहले कन्या जब घर में प्रवेश करें तब उनके पैरों में महावर या कुमकुम लगाकर घर में लेकर आएं। उन पर फूलों की वर्षा करें। उनके हाथ में दो तरह की दक्षिणा दें। एक दक्षिणा कन्या घर लेकर जाएगी और दूसरी समस्त पूजन के बाद कन्या से वापिस लेनी हैं। जब कन्या जाने लगे तब हर कन्या से 1-1 सिक्का लें और उसे अपनी तिजोरी में रखें।
- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए : गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामरथ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत: कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत: इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉइंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामरथ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि देवी जब अपने लोक जाती है तो उसे घर की कन्या की तरह ही बिदा किया जाना चाहिए। अगर सामरथ्य हो तो नौवें दिन लाल चुनर कन्याओं को भेंट में दें। उन्हें दुर्गा चालीसा की छोटी पुस्तकें भेंट करें। गरबा के डांडिए और चणिया-चोली दिए जा सकते हैं। नवरात्रि में इन सारी रीतियों के अनुसार पूजन करने व भेंट देने से देवी प्रसन्न होकर वर्ष भर के लिए सुख, समृद्धि, यश, वैभव, कीर्ति और सौभाग्य का वरदान देती है।

अगले हफ्ते गर्म रहेगा आईपीओ मार्केट, खुलेंगे 28 नए इश्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते 28 आईपीओ खुलने जा रहे हैं। इनमें 17 एसएमई कैटेगरी के आईपीओ होंगे, जबकि बाकी 11 मेनबोर्ड के आईपीओ होंगे। ये आईपीओ सोमवार से खुलना शुरू होंगे। 22 सितंबर सोमवार को 4 पब्लिक इश्यू खुलेंगे। आगे जानिए इन सभी आईपीओ की डिटेल। आईपीओ वह प्रोसेस है जिसमें कोई प्राइवेट कंपनी पहली बार अपने शेयर पब्लिक को बेचती है और इस तरह वह एक पब्लिक्ली कारोबार करने वाली कंपनी बन जाती है। इससे कंपनी को विस्तार, ग्रोथ या लोन चुकाने के लिए पूंजी जुटाने का मौका मिलता है, साथ ही आम निवेशकों को नई कंपनी में निवेश करने का मौका मिलता है और कंपनी के भविष्य की सफलता से संभावित रूप से लाभ उठाने का अवसर मिलता है।

लोढ़ा डेवलपर्स ने मुंबई में 24 एकड़ जमीन एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स को 500 करोड़ में बेची

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लि. ने मुंबई क्षेत्र में 24 एकड़ से अधिक जमीन सिंगापुर की एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स को करीब 500 करोड़ रुपए में बेची है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। भूमि सौदा पहले ही पंजीकृत हो चुका है। सूत्रों के अनुसार, सिंगापुर की कंपनी डेटा सेंटर सेवा प्रदाता एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर (एसटीटी जीडीसी) ने हाल ही में पलावा में 24.34 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। सूत्रों ने बताया कि लोढ़ा डेवलपर्स ने 1.74 एकड़ जमीन बेची है, जबकि उसकी अनुषंगी कंपनी पलावा इंडसलॉजिक 4 प्राइवेट लिमिटेड ने 22.6 एकड़ जमीन करीब 499 करोड़ रुपए में बेची है। इस महीने की शुरुआत में, लोढ़ा डेवलपर्स ने पलावा में हरित एकीकृत डेटा सेंटर पार्क स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

पांच सेकंड भी नहीं टिकेगा ट्रंप का एच-1बी वीजा

अमेरिका-भारत में मचे हड़कंप के बीच कोर्ट जाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नया आदेश एच-1बी वीजा को लेकर पूरी दुनिया और खासकर भारत में चर्चा का विषय बना है। कंपनियों को हर एच-1बी वीजा के लिए .100,000 (लगभग 88 लाख) देने होंगे। इस बीच अमेरिका की नागरिकता और इमीग्रेशन सर्विसेज के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी का बड़ा बयान आया है।

यह आदेश कोर्ट में 5 सेकंड भी नहीं टिकेगाात्र.अमेरिका की नागरिकता और इमीग्रेशन सर्विसेज के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी डग रैंड ने कहा कि, 100,000 की फीस लगाकर एंट्री बैन करना ये कानून के मुताबिक नहीं है। कोर्ट में ये आदेश 5 सेकंड भी नहीं टिकेगा।

टॉम जवेट्स, जो कि बाइडन प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी में वरिष्ठ वकील रह चुके हैं, उन्होंने भी यही बात दोहराई कि कानून ऐसे नहीं चलाए जाते। एच-1बी वीजा की बढ़ी फीस के बीच गूगल माईक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने तुरंत अपने एच-1बी और एच4 वीजा होल्डर कर्मचारियों से कहा कि 21 सितंबर से

पहले अमेरिका लौट आएं, जिससे और अफरा-तफरी मच गई। एच-1बी एक नॉन इमीग्रेशन काम करने का वीजा है, जिससे अमेरिकी कंपनियां विदेशों से स्किल्ड टैलेंट को हायर करती हैं। खासकर आईटी, इंजीनियरिंग, फाइनेंस और हेल्थकेयर जैसे सेक्टरों में इसका खूब इस्तेमाल होता है।

भारत से हर साल सबसे ज्यादा एच-1बी वीजा होल्डर अमेरिका जाते हैं। इसीलिए, यह फैसला भारत को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है। अमेरिका के कॉमर्स सेक्रेटरी ने फैसले का समर्थन करते हुए कहा, अगर कोई कर्मचारी कंपनी और अमेरिका के लिए सच में जरूरी है, तो कंपनी उसकी कीमत चुकाएगी। नहीं तो कंपनी किसी अमेरिकी को नौकरी देगी।

ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि कंपनियां एच-1बी वीजा का गलत इस्तेमाल करती हैं। सस्ता विदेशी टैलेंट लाकर अमेरिकियों को नौकरी से वंचित कर देती हैं।

यह आदेश कितने समय तक लागू रहेगाात्र रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह आदेश 12 महीनों के लिए लागू रहेगा। उसके बाद इसे जारी रखने या रद्द करने पर फैसला एच-1बी वीजा लॉटरी के बाद लिया जाएगा।

भारत की प्रतिक्रिया

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस आदेश को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। मंत्रालय ने कहा कि, इस फैसले से परिवारों को काफी परेशानी होगी। इसका मानवीय असर हो सकता है। उम्मीद है कि अमेरिका इन बातों का संज्ञान लेगा। एमईए के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच टैलेंट एक्सचेंज और स्किल्ड प्रोफेशनल्स का आना-जाना टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा ऐसे फैसलों का आकलन दोनों देशों को आपसी लाभ को ध्यान में रखकर करना चाहिए, क्योंकि हमारी people-to-people कनेक्शन भी बेहद मजबूत है।

सैलरी से ज्यादा एच-1बी की फीस सुन कंपनियां पीछे हटीं, बना आईटी प्रोफेशनल्स पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा के लिए फीस को 100,000 डॉलर (लगभग 88 लाख) कर दिया है। ये फैसला रविवार से लागू हो चुका है और इसका सीधा असर भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स पर पड़ रहा है, जो इस वीजा कैटेगरी में सबसे ज्यादा हैं।

एच-1बी वीजा वो रास्ता है जिससे भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स अमेरिका जाकर काम करते हैं। लेकिन अब जब वीजा की फीस इतनी ज्यादा कर दी गई है कि ये कई लोगों की पूरी साल की सैलरी से भी ज्यादा है, तो कंपनियां नए कर्मचारियों को भेजने से पीछे हट रही हैं।

एक इमिग्रेशन लॉ फर्म की हेड, सुकन्या रमण, बताती हैं कि मिड और स्मॉल साइज कंपनियों के लिए तो ये फैसला किसी झटके से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी बहुत सी कंपनियां सोच रही हैं कि इतने खर्च में किसी को भेजने से अच्छा है काम ही इंडिया या किसी और देश से करवा लिया जाए। एच-1बी की बढ़ती कीमतों की वजह से अब कई कंपनियां एल-1 वीजा की तरफ झुक रही हैं। ये वीजा उन कर्मचारियों के लिए होता है जो पहले से कंपनी में काम कर रहे हैं और उन्हें अमेरिका में ट्रांसफर किया जाता है। लेकिन इसमें भी पेंच हैं। जैसे कि कम से कम एक साल की कंपनी में नौकरी होनी चाहिए और 'स्पेशल नॉलेज' वाले रोल्स में वीजा मिलना मुश्किल हो गया है।

भारत को फायदा

जहां एक तरफ अमेरिका में यह कदम उठाया गया है, वहीं भारत के लिए यह एक अप्रत्यक्ष अवसर भी बन सकता है। सर्वांक एसोसिएट्स की फाउंडर अंकिता सिंह कहती हैं, यह कदम अमेरिकी इनोवेशन के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे टैलेंट का फ्लो रुकेगा और कंपनियां मजबूरन अपनी टीमें भारत में ही रखने लगेंगी। यानी भारत के लिए यह ब्लेसिंग इन डिसगाइज हो सकता है। सिर्फ जॉब वाले ही नहीं, आम लोग जो अमेरिका घूमने जाना चाहते हैं, उनके लिए भी परेशान करने वाली खबर है।

नवरात्रि के पहले दिन से होगी बचत

सूई से डायपर और पानी से एसी तक, चीजें होगी सस्ती

इसी दिन से लोगों को सस्ते प्रोडक्ट्स का लाभ मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी रेट कट के बाद आज रात 12 बजे से नई टैक्स दरें लागू हो जाएंगी। रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि से जीएसटी की दरें कम हो रही हैं और इसके साथ ही जनता के लिए कई चीजें सस्ती हो जाएंगी। 22 सितंबर को इस साल नवरात्री का पहला दिन है और इसी दिन से लोगों को सस्ते प्रोडक्ट्स का लाभ मिलेगा।

इस महीने की शुरुआत में जीएसटी काउंसिल ने टैक्स रेट में कटौती का फैसला लिया था, जिसमें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो स्लैब रखी गई हैं। वहीं सिन गुड्स के लिए 40 प्रतिशत की एक और स्लैब बनाई गई है। अच्छी खबर ये है कि कई फर्मों ने पहले ही अपनी प्रोडक्ट्स की कीमतों में कटौती का ऐलान कर दिया है। आगे जानिए आज रात से क्या और कितना सस्ता होने जा रहा है। प्रमुख घरेलू उपकरण निर्माताओं ने एयर कंडीशनर की कीमतों में 4,500 रुपये तक और डिशवॉशर की कीमतों में 8,000 रुपये तक की कटौती की है। नए रेट सोमवार से लागू होंगे।

ये कंपनियां इस सप्ताह से शुरू हो रहे त्योहारी सीजन के दौरान बिक्री में डबल डिजिट की ग्रोथ की उम्मीद कर रही हैं। डिशवॉशर बनाने वाली कंपनियों ने भी कीमतों में कटौती की है, जिससे कंज्यूमर्स को जीएसटी का लाभ मिलने जा रहा है। जीएसटी कटौती लागू होने के बाद कंपनियों ने कीमतों में 8,000 तक की कमी की है। मदर डेयरी ने क्या-क्या किया सस मदर डेयरी ने यूएचटी दूध, पनीर, घी, मक्खन, चीज और मिल्कशेक जैसे प्रमुख डेयरी उत्पादों की कीमतों में कटौती की है, जो प्रोडक्ट के आधार पर जीएसटी में 5-18 प्रतिशत से घटकर 0-5प्रतिशत हो गई है। उदाहरण के लिए, 1 लीटर यूएचटी दूध (टेट्रा पैक) अब 77 रुपये से घटकर 75 रुपये का हो गया है।

डेयरी प्रोडक्ट्स भी हो जाएंगे सस्ते

डेयरी ब्रांड अमूल और मदर डेयरी ने घी, मक्खन, आइसक्रीम, बेकरी प्रोडक्ट्स और फ्रोजन स्नैक्स समेत 700 से अधिक उत्पादों की रिटेल कीमतों में कटौती की घोषणा की है। दोनों ही कंपनियों ने जीएसटी रेट में कटौती का फायदा कंज्यूमर्स को देने का फैसला किया है। अमूल ने मक्खन, घी, यूएचटी दूध, आइसक्रीम, पनीर, चॉकलेट, बेकरी रेंज, फ्रोजन डेयरी और आलू स्नैक्स, कंडेंस्ड मिल्क, मूंगफली स्प्रेड, माल्ट-आधारित पेय आदि जैसे उत्पादों के दाम घटाए हैं। मक्खन (100 ग्राम) का एमआरपी 62 से घटाकर 58 कर दिया गया है। घी की कीमतें 40 घटाकर 610 प्रति लीटर कर दी गई हैं। मदर डेयरी की आइसक्रीम और सफल प्रोसेस्ड फूड आइटम्स भी सस्ते हो गए हैं। चोको वनीला कोन और केसर पिस्ता कुल्फी जैसी आइसक्रीम 5-10 रुपये सस्ती हो गई हैं, जबकि फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज, आलू टिक्की और पैकेज्ड नारियल पानी जैसे सफल प्रोडक्ट्स की कीमतों में 5 रुपये से 15 रुपये तक की कमी आई है। रेल मंत्रालय ने पैकेज्ड पानी रेल नीर के एमआरपी में कटौती की घोषणा की। रेलवे बोर्ड की तरफ से जारी एक सर्कुलर के अनुसार, रेल नीर की एक लीटर की बोतल की कीमत 15 से घटाकर 14 कर दी गई है, जबकि 500 मिलीलीटर की बोतल की कीमत 10 से घटाकर 9 कर दी गई है।

अमूल ने 700 उत्पादों के दाम घटाए, एक लीटर घी 40 तक सस्ता

ई दिल्ली , एजेंसी।
मूल ने 22 सितंबर से हो ी जीएसटी दर में कटौती का ाभ ग्राहकों को देने का सला किया है। इसके तहत मूल की मार्केटिंग कंपनी जरात सहकारी दुग्ध विपणन हासंघ (जीसीएमएमएफ) ने 00 उत्पादों के दाम घटा दिए । नई कीमतें 22 सितंबर से ागू होंगीं।

जीएसटी दरों में होने जा रहे बदलाव का सर नजर आने लगा है। इस बीच अमूल की ार्केटिंग कंपनी गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन हासंघ (जीसीएमएमएफ) ने 700 उत्पादों के म घटा दिए हैं। नए मूल्यों के तहत एक लीटर ी की कीमतों में 40 रुपये तक की कटौती की गई है। कंपनी ने कहा है कि नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगीं। मक्खन, घी, यूएचटी दूध, आइसक्रीम, पनीर, चॉकलेट, बेकरी रेंज, फ्रोजन डेयरी और आलू स्नैक्स, कंडेंस्ड मिल्क, पीनट स्प्रेड, माल्ट-बेस्ड ड्रिंक जैसे उत्पादों के मूल्य में संशोधन हुआ है। इससे पहले मदर डेयरी ने भी 22 सितंबर से अपने उत्पादों की कीमतों में कटौती की घोषणा की थी।

सितंबर के आखिरी सप्ताह इतने दिन रहेंगे बैंक बंद

जल्दी से निपटा लें अपना जरूरी काम

नई दिल्ली, एजेंसी।
सितंबर 2025 के आखिरी सप्ताह में भारत के विभिन्न राज्यों में कई बैंक अवकाश घोषित किए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अवकाश कैलेंडर 2025 के अनुसार, क्षेत्र-विशिष्ट छुट्टियों और सप्ताहांत बंद के कारण बैंकों की शाखाएं बंद रहेंगी। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे नकदी जमा, चेक क्लियरेंस, ऋण आवेदन या अन्य शाखा-संबंधी कार्यों की योजना पहले से बना लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

22 से 28 सितंबर तक रहेंगे बैंक बंद

सितंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में भारत में कई बैंक अवकाश होंगे, जिसमें 22 सितंबर को जयपुर, राजस्थान में नवरात्रि स्थापना और तेलंगाना में बथुकम्मा पुष्प उत्सव, 23 सितंबर को जम्मू-श्रीनगर में महाराजा हरि सिंह जी की जयंती और हरियाणा में वीर शहीदी दिवस के कारण बैंक बंद रहेंगे, जबकि 27 सितंबर को आरबीआई के नियमों के अनुसार चौथा शनिवार होने और 28 सितंबर को नियमित रविवार की छुट्टी के चलते देशभर में सभी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। ग्राहकों को सुझाव दिया जाता है कि वे बैंक शाखा में जाने से पहले अवकाश की तारीखों की जांच कर लें। चेक जमा करने, बड़ी मात्रा में नकदी निकालने या ऋण आवेदन जैसे कार्यों के लिए पहले से योजना बनाना जरूरी है, ताकि किसी भी रुकावट से बचा जा सके।

हालांकि, छुट्टियों के दौरान भी यूपीआई भुगतान, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी। धन हस्तांतरण, बिल भुगतान या अन्य आवश्यक लेन-देन बिना किसी परेशानी के पूरे किए जा सकेंगे।

मोर्चे पर खुदरा निवेशकों पर केंद्रित अपनी पेशकशों को बढ़ाने को भी कहा

डॉलर-रुपये से आगे अन्य मुद्राओं में भी कारोबार की सुविधा विकसित करे सीसीआईएल : गवर्नर

ई दिल्ली, एजेंसी।
ल्होत्रा ने सीसीआईएल से 'फॉरेक्स रिटेल' और 'आरबीआई टेल डायरेक्ट' पर अपने उत्पादों और सेवाओं की पेशकशों ा निरंतर अन्वेषण और संवर्धन करने का आग्रह किया।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार ो रुपये का अमेरिकी डॉलर के साथ अन्य मुद्राओं में भी ापार एवं निपटान सुविधाजनक बनाने के लिए क्लियरिंग ॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) से नियादी ढांचा तैयार करने को कहा। मल्होत्रा ने सीसीआईएल ो 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम में निगम से देशी मुद्रा और सरकारी प्रतिभूतियों के मोर्चे पर खुदरा वेशकों पर केंद्रित अपनी पेशकशों को बढ़ाने को भी कहा। न्होंने कहा, ''रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण के व्यापक उद्देश्य को खते हुए सीसीआईएल अमेरिकी डॉलर-रुपये को छोड़कर न्य मुद्राओं में भी व्यापार और निपटान सेवाओं को विधाजनक बनाने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा स्थापित रने की संभावना तलाश सकता है।'' पिछले कुछ वर्षों से पये का अंतरराष्ट्रीयकरण एक ठोस नीतिगत एजेंडा रहा है और ारत ने स्थानीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार निपटाने के लिए छ देशों के साथ समझौते किए हैं। मल्होत्रा ने सीसीआईएल 'फॉरेक्स रिटेल' और 'आरबीआई रिटेल डायरेक्ट' पर

अपने उत्पादों और सेवाओं की पेशकशों का निरंतर अन्वेषण और संवर्धन करने का आग्रह किया। इससे ग्राहकों को एक सहज अनुभव एवं मजबूत प्रणाली क्षमताएं सुनिश्चित होंगी।

उन्होंने कहा कि सरकारी प्रतिभूतियों के व्यापार मंच पर तीन लाख खुदरा निवेशक सूचीबद्ध हैं। मल्होत्रा ने 2001 में गठित इस निकाय से नवोन्मेष को अपनाने और दक्षता, मापनीयता, प्रदर्शन, सुरक्षा बढ़ाने और लागत कम करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्थिरता, वृद्धि और भरोसा आरबीआई के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

1.78 लाख करोड़पति परिवारों के साथ महाराष्ट्र सबसे अमीर राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूरे भारत में अब कुल 8,71,700 करोड़पति परिवार हैं और इनकी धन-दौलत 8.5 करोड़ रुपये या उससे अधिक है। संपत्ति के मामले में इस राष्ट्रव्यापी उछाल के बावजूद पैसा कुछ ही क्षेत्रों में केंद्रित है और शीर्ष 10 राज्यों में सामूहिक रूप से कुल करोड़पति परिवारों का 79 फीसदी से अधिक हिस्सा रहता है।

महाराष्ट्र ने खुद को देश के अग्रणी धन सृजन केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। यह राज्य 1,78,600 करोड़पति परिवारों के साथ देश में अमीरी में पहले स्थान पर है। राज्य ने 2021 से संपत्ति के मामले में 194 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। यह खुलासा मर्सिडीज-बेंज हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 में हुआ है।

इसके मुताबिक, राज्य की संपन्नता को 2020-21 से 55 फीसदी की

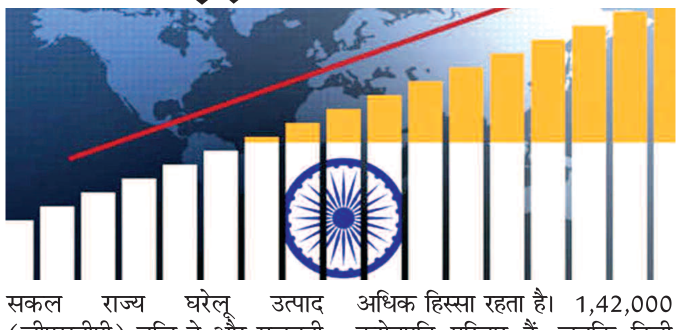

सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वृद्धि ने और मजबूती दी। अकेले मुंबई में ही 1,42,000 करोड़पति परिवार रहते हैं,जिससे यह भारत की करोड़पति राजधानी बन गई है। पूरे भारत में अब कुल 8,71,700 करोड़पति परिवार हैं और इनकी धन-दौलत 8.5 करोड़ रुपये या उससे अधिक है। संपत्ति के मामले में इस राष्ट्रव्यापी उछाल के बावजूद पैसा कुछ ही क्षेत्रों में केंद्रित है और शीर्ष 10 राज्यों में सामूहिक रूप से कुल करोड़पति परिवारों का 79 फीसदी से अधिक हिस्सा रहता है। 1,42,000 करोड़पति परिवार हैं, जबकि दिल्ली (68,200) और बंगलूरू (31,600) उसके बाद आते हैं। ये तीन महानगर भारत की संपत्ति सृजन की सबसे बड़ी ताकत हैं। हुरुन इंडिया के संस्थापक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद कहते हैं,एक दशक से भी कम वक्त में 10 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक संपत्ति वाले भारतीय परिवारों की संख्या में 445 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है। यह उछाल दिखाता है कि कैसे धन सृजन हमारे समाज के व्यापक आधार तक पहुंच रहा है। उन्होंने इसे समृद्धि का लोकतंत्रीकरण कहा यानी अब ज्यादा लोगों तक अवसर पहुंच रहे हैं,लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि 2017 के केवल पांच फीसदी करोड़पति ही उच्च निवल संपत्ति वाले अति-धनाढ्य बने और महज 0.01त्न अरबपति का दर्जा हासिल कर पाए हैं। इसका मतलब है कि अमीरी फैल रही है, लेकिन यह अभी भी कुछ क्षेत्रों तक सीमित है। भारत के संपत्ति के नक्शे पर 79,800 करोड़पति परिवारों के साथ दिल्ली इस सूची में दूसरे नंबर पर है। 72,600 करोड़पति परिवारों के साथ तमिलनाडु तीसरे, 68,800 करोड़पति परिवारों के साथ कर्नाटक चौथे और 68,300 करोड़पति परिवारों के साथ गुजरात पांचवे स्थान पर है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश 57,700 करोड़पति परिवारों के साथ छठे स्थान पर है,

कौन हैं मिथुन मनहास? जम्मू-कश्मीर के इस पूर्व खिलाड़ी को मिल सकती है BCCI अध्यक्ष की जिम्मेदारी

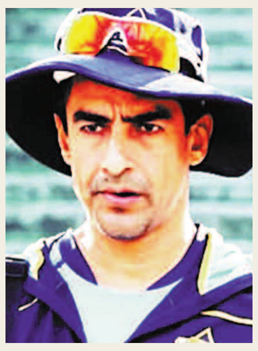

मुंबई, एजेंसी। 45 वर्षीय मिथुन मनहास का क्रिकेट करियर लंबा और सफल रहा है। उन्होंने 1997/98 सीजन में दिल्ली से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिल सकी। बीसीसीआई के नए अध्यक्ष के नाम पर से जल्द पर्दा उठ सकता है। दिल्ली से खेलने वाले जम्मू-कश्मीर के पूर्व बल्लेबाज मिथुन मनहास बीसीसीआई के नए अध्यक्ष बन सकते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में हुई बीसीसीआई की बैठक में मनहास सबसे मजबूत उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 21 सितंबर तय है, जबकि चुनाव 28 सितंबर को होंगे।

घरेलू क्रिकेट के स्टार रहे मनहास

- 45 वर्षीय मिथुन मनहास का क्रिकेट करियर लंबा और सफल रहा है। उन्होंने 1997/98 सीजन में दिल्ली से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिल सकी क्योंकि उस दौर में सचिन तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज बल्लेबाज टीम का हिस्सा थे।
- इसके बावजूद, मनहास घरेलू क्रिकेट में बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित हुए। उन्होंने दिल्ली रणजी टीम की कप्तानी भी की और शुरुआती दिनों में विराट कोहली ने उनके नेतृत्व में खेला। 2007-08 रणजी सीजन में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 921 रन बनाए और उनका औसत 57.56 का रहा। उसी सीजन में दिल्ली ने खिताब जीता था।
- 2015 में मनहास अपने गृहनगर जम्मू-कश्मीर लौट आए। उनके फर्स्ट क्लास करियर में 157 मैच, 9714 रन, और 27 शतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 130 लिस्ट ए मैचों में 4126 रन और 91 टी20 मैचों में 1170 रन बनाए।
- मिथुन मनहास को 2008 में पहले आईपीएल सीजन में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) ने खरीदा था। वे 2010 तक टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद उन्होंने पुणे वॉरियर्स इंडिया और 2014 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी खेला। आईपीएल में मनहास ने कुल 55 मैच खेले और 514 रन बनाए। उनका औसत 22.34 का रहा। मनहास का स्ट्राइक रेट 109.36 का रहा।

अश्विन ने की पीसीबी की आलोचना

● कहा- अगर मैं एंडी पाइक्रॉफ्ट होता, तो आप मुझसे माफी मांगते

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इन दिनों गलत कारणों से चर्चा में है। मौजूदा टी20 एशिया कप 2025 में पीसीबी ने भारत द्वारा हाथ मिलाने की अनदेखी पर नाराजगी जताई और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर अपना गुस्सा निकाला। यूएई मैच से पहले पाइक्रॉफ्ट की पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से मुलाकात की रिकॉर्डिंग को लेकर जहां पीसीबी मुश्किल में है, वहीं पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बेवजह के ड्रामे के लिए बोर्ड की आलोचना की। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, एंडी पाइक्रॉफ्ट ने वाकई सबको ऐसा घटिया तमाशा देखने से बचा लिया। उन्होंने आगे कहा, भारत ने मैच रेफरी को पहले ही बता दिया था, यह हमारा फैसला है और हम इसका पालन करेंगे। बस। इतने सारे ड्रामे के बाद आप मैच हार गए। तो आप किस बात की शिकायत कर रहे हैं? आप इसलिए नहीं हारे क्योंकि हमने हाथ नहीं मिलाया। कृपया जाकर पता लगाएं कि आप असल में क्या सुधार कर सकते हैं।

पीकेएल-12: अंतिम रेड पर नीरज को लपक पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी का विजय रथ रोका

जयपुर, एजेंसी। दबंग दिल्ली केसी का लगातार छह मैचों से चला आ रहा विजय रथ आखिरकार रुक गया है। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में शनिवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 43वें मुकाबले में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने अंतिम रेड में नीरज नरवाल को लपक 33-30 के अंतर से मैच जीत लिया। दिल्ली को पहली हार मिली जबकि पटना को सात मैचों में दूसरी जीत मिली। एक समय 12 अंक से पीछे चल रही पटना की जीत में अंकित (12) का अहम योगदान रहा। उन्होंने मैच में पटना की वापसी कराई और फिर स्कोर बराबर भी किया। दिल्ली के लिए आशू मलिक ने 6 अंक लिए जबकि नीरज नरवाल ने 8 अंक जुटाए। पटना के लिए कप्तान अंकित ने डिफेंस में 6 अंक जुटाए। दिल्ली ने अच्छी शुरुआत करते हुए तीन मिनट में ही 4-1 की लीड बना ली थी लेकिन सुधाकर ने फजल का शिकार कर फासला दो का कर दिया। फिर अजिंक्य को लपक अंकित ने स्कोर 3-4 कर दिया। सौरव ने मिलन को लपका तो अयान ने डिफेंस में हाथ साफ करते हुए नीरज का शिकार कर स्कोर 4-6 कर दिया। इस बीच दिल्ली ने अयान को लपका और फिर अजिंक्य ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 8-4 कर दिया। ब्रेक के बाद सुधाकर ने एक अंक लिया तो नीरज ने दिल्ली को दो अंक दिला दिए। संदीप और सुरजीत ने हालांकि अगली रेड पर सुधाकर को लपक लिया लेकिन अंकित ने अजिंक्य का शिकार कर स्कोर 6-11 किया। फिर सुरजी ने अकेले दम पर मिलन को लपक लीड फिर दोगुना कर दी। इस बीच आशू ने दो अंक लेकर पटना को दो खिलाड़ियों तक सीमित कर दिया।

अगली रेड पर नीरज ने हालांकि उन्हें रिवाइव करा लिया। फिर नीरज ने ही पटना को आलआउट की ओर धकेला और फिर सुरजीत ने हाफटाइम से ठीक पहले आलआउट लेते हुए दिल्ली को 19-10 की लीड दिला दी। ब्रेक के बाद दिल्ली ने लगातार दो अंक लेकर पकड़ मजबूत की। इस बीच सौरव ने अयान को लपक स्कोर 22-11 कर दिया। इस बीच अंकित ने डू ओर डाई रेड पर सौरव का शिकार कर लिया लेकिन अजिंक्य ने मिलन को आउट कर हिसाब बराबर किया। दिल्ली का डिफेंस अयान को नहीं चलने दे रहा था लेकिन डिफेंस ने हाथ खोल दिए थे। नवदीप ने अजिंक्य को लपक लिया। पिछली रेड पर नीरज को आउट करने वाले अंकित ने अगली दो रेड पर सुरजीत और फजल को आउट कर स्कोर 16-25 कर दिया। फिर डिफेंस ने नीरज को लपक दिल्ली को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। अंकित ने इसके बाद डू ओर डाई रेड पर संदीप का शिकार कर दिल्ली को आलआउट की ओर धकेला।

अंकित ने अगली रेड पर दो शिकार के साथ दिल्ली को आलआउट कर स्कोर 22-26 कर दिया। आलइन के बाद आशू ने नवदीप को बाहर किया। इस बीच अंकित ने बोनस लिया और फिर आशू ने दो अंक की रेड क साथ स्कोर 29-23 कर दिया। फिर अंकित के बोनस के बाद पटना के डिफेंस ने अजिंक्य को लपक फासला 5 का कर दिया। फिर अंकित ने सौरव का शिकार कर सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए। फिर अयान ने एक अंक लेकर फासला 3 का कर दिया। इसके बाद पटना के डिफेंस ने आशू को लपक फासला 2 कर दिया, जिसे अंकित ने 1 कर दिया। दिल्ली की अंतिम रेड पर नीरज ने वाकलाइन पार किया और फिर अंकित ने एक लेकर स्कोर टाई कर दिया। एक सेकेंड बचा था और दिल्ली के लिए अंतिम खिलाड़ी के तौर पर नीरज रेड पर गए और लपक लिए गए। इस तरह पटना ने दिल्ली की जीत का सिलसिला तोड़ दिया।

स्मृति मंधाना ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 50 गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 50 गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बन गईं। इस मामले में उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। दरअसल, कोहली ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 गेंदों में शतक लगाया था और एक दशक से ज्यादा समय तक यह रिकॉर्ड उनके ही नाम था।

मंधाना ने करेन रोल्टन को पीछे छोड़ा

महज 50 गेंदों में शतक जड़कर मंधाना महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 2000-01 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए गए 57 गेंद में बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग 2012-13 सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंद में शतक बनाया जिससे वह सबसे तेज शतक बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं।

मंधाना ने मचाया धमाल

मंधाना ने शतकीय पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े थे और यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक भी है। इस तरह बाएं हाथ की 29 साल की बल्लेबाज ने अपना ही 70 गेंद में शतक बनाने का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। मंधाना एक ही साल में चार वनडे शतक बनाने वाली पहली महिला बल्लेबाज भी हैं और उन्होंने यह उपलब्धि 2024 में हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया की टैमी ब्यूमोंट के बाद वह महिला वनडे में लगातार दो शतक बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज भी बन गई हैं। न्यूजीलैंड की एमी सैटर्थवेट ने 2016-2017 में लगातार चार शतक लगाकर महिला वनडे में सबसे ज्यादा लगातार शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था।

विश्व कप 2025 के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार

अक्षय कुमार ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम का किया समर्थन

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के समर्थन में देश को एकजुट करने के लिए आवाज उठाई है और प्रशंसकों से महिला क्रिकेट के लिए भी वैसा ही जुनून और समर्थन दिखाने का आग्रह किया है जैसा वे पुरुष क्रिकेट के लिए दिखाते हैं।

इस साल महिलाओं के प्रमुख टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारणकर्ता, जियोहॉटस्टार द्वारा जारी एक वीडियो में अक्षय कुमार ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। महिला क्रिकेट टीम का समर्थन करने के महत्व पर बात करते हुए अक्षय कुमार ने 2017 विश्व कप फाइनल देखने के अपने अनुभव को याद किया और अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, ÷मुझे 2017 विश्व कप फाइनल आज भी याद है। मैं स्कॉटलैंड से ट्रेन पकड़कर फाइनल देखने स्टेडियम गया था। मैंने हमारी महिला क्रिकेट टीम का जुनून देखा। मैं क्यों गया था? क्योंकि तभी मुझे समझ आया कि क्रिकेट में कोई लिंग भेद नहीं होता। बस एक जर्सी, एक जुनून और एक टीम होती है। टीम इंडिया। उन्होंने कहा, हम आमतौर पर पुरुष टीम का उत्साहवर्धन करते हैं। लेकिन असली समर्थन तब मिलेगा जब हम अपनी महिला टीम का भी उतना ही उत्साहवर्धन करेंगे, जितना हम पुरुष टीम का करते हैं। असली प्रशंसक वह है जो हर खिलाड़ी के साथ खड़ा हो, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यही असली नीले रंग की निशानी है। जर्सी वही, जज्बा वही। वीडियो में, अक्षय भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना की 18 नंबर की जर्सी पकड़े हुए भी दिखाई दे रहे हैं, जिससे यह बात पुख्ता होती है कि विराट कोहली हों या स्मृति मंधाना, जर्सी एक ही रहती है। भारत, श्रीलंका के साथ मिलकर आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी कर रहा है, जिसका पहला मैच 30 सितंबर को गुवाहाटी में शुरू होगा।

मेसी का धमाकेदार प्रदर्शन, इस गोल से जीता फैंस का दिल

इंटर मियामी ने यूनाइटेड को 3-2 से हराया

मियामी , एजेंसी। मियामी की जीत और दो गोलों के बाद मेसी के इस सीजन में कुल 22 गोल हो गए हैं, जिससे वे नैशविल एससी के सैम सर्रिज से एक गोल आगे निकल गए हैं और गोल्डन बूट रेस में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। मेजर लीग सॉकर में शनिवार रात खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए अपनी टीम इंटर मियामी को डी.सी. यूनाइटेड के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। अर्जेंटीनी स्टार ने इस मैच में एक असिस्ट और दो गोल किए।

मेसी गोल्डन बूट रेस में सबसे आगे - मियामी की जीत और दो गोलों के बाद मेसी के इस सीजन में कुल 22 गोल हो गए हैं, जिससे वे नैशविल एससी के सैम सर्रिज से एक गोल आगे निकल गए हैं और गोल्डन बूट रेस में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं।

- **पहले हाफ में असिस्ट, दूसरे हाफ में दो गोल** - पहले हाफ में मेसी ने 35वें मिनट में तादेओ एलेन्डे के गोल में असिस्ट किया और इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मेसी का इस सीजन का 12वां असिस्ट था, जो लीग में चौथे सबसे ज्यादा असिस्ट के बराबर है। दूसरे हाफ में डी.सी. यूनाइटेड ने क्रिश्चियन बेंटेके के गोल से स्कोर 1-1 कर दिया, लेकिन मेसी ने 66वें मिनट में शानदार गोल दागकर इंटर मियामी को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद 85वें मिनट में मेसी ने एक और गोल कर टीम की जीत लगभग पक्की कर दी। डी.सी. यूनाइटेड ने इंजरी टाइम में एक गोल जरूर किया, लेकिन स्कोर 3-2 पर ही रहा।

श्रीलंका के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए नूर और मुजीब को मिले डिमेरिट अंक

दुबई, एजेंसी। अफगानिस्तान के स्पिनर नूर अहमद और मुजीब उर रहमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 का उल्लंघन करने पर एक-एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। यह घटना गुरुवार को अबु धाबी में एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान हुई।

नूर अहमद को आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन करते पाया गया, जिसका मतलब है अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाना। जबकि मुजीब पर आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन करने का आरोप लगा, जो क्रिकेट उपकरण, कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिटिंग्स का दुरुपयोग करने से संबंधित है। मुजीब ने मैच के दौरान अपने तौलिये से स्टंप तोड़ दिए थे। नूर ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर में असहमति जताई थी, जब अंपायर ने उनकी एक गेंद को वाइड करार दिया था। मैदान पर मौजूद अंपायर आसिफ याकूब और वीरेंद्र शर्मा, तीसरे अंपायर फैसल अफरीदी और चौथे अंपायर रोहन पंडित ने आरोप लगाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने अपराध स्वीकार कर लिए और मैच रेफरी रिची रिचडर्सन द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

बांग्लादेश खिलाफ अफगानिस्तान टीम की घोषणा, सीमित ओवर की सीरीज के लिए टीम में हुए 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश खिलाफ 2 अक्टूबर से यूएई में शुरू होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। टी20 एशिया कप 2025 के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद अफगान चयनकर्ताओं ने तीन बड़े बदलाव किए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी , ऑलराउंडर गुलबदीन नैब और करीम जनत को टीम में जगह नहीं मिली। फारूकी की जगह लंबे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बशीर अहमद को टीम में शामिल किया गया। वह अफगानिस्तान के लिए पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अंडर-19 स्तर पर अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व किया है और पांच लिस्ट ए और 14 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 38.16 की औसत से 12 टी20 विकेट लिए हैं।

इस सूची में एक और अनकैप्ड खिलाड़ी 18 वर्षीय शीर्ष क्रम बल्लेबाज वफीउल्लाह तरखिल हैं। अफगानिस्तान की बल्लेबाजी टीम को जूझना पड़ा है और 2026 के टी20 विश्व कप से पहले वे अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना चाहेंगे। तरखिल ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 28.35 की औसत और 145.95 के स्ट्राइक रेट से 794 रन बनाए हैं। उनके नाम पांच टी20 शतक हैं। अल्लाह गजनफर और रहमत शाह को टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। वे वनडे टीम का हिस्सा बने रहेंगे।

अफगानिस्तान टी20 टीमः राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उप-कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, वफीउल्लाह तारखिल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, शराफुद्दीन अशरफ, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, बशीर अहमद, फरीद अहमद मलिक, अब्दुल्ला अहमदजई।

रिजर्वः एएम गजनफर और रहमत शाह।

अफगानिस्तान वनडे टीमः हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांगेयालिया खारोटे, एएम गजनफर, अब्दुल्ला अहमदजई, बशीर अहमद, मोहम्मद सलीम सफी।

रिजर्वः बिलाल सामी और फरीदून दाऊदजई।

टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर बोलीं -

हफ्ते में एक दिन की छुट्टी जरूरी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता। नायरा बनर्जी ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं। अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया। इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैंने टीवी, साउथ इंडियन फिल्म्स और वेब सीरीज तीनों में काम किया है। इसी वजह से मुझे कभी सिर्फ टीवी एक्ट्रेस या साउथ एक्ट्रेस नहीं कहा गया। मैंने हर मीडियम में काम करके खुद को साबित किया है।

हुमा को बुसान फिल्म फेस्टिवल में मिला फेस ऑफ एशिया अवॉर्ड

हुमा कुरैशी बुसान फिल्म फेस्टिवल में फेस ऑफ एशिया का अवॉर्ड पाकर काफी खुश हैं। इस अवॉर्ड को उन्होंने अपने लिए बहुत खास बताया। अवॉर्ड लेते हुए वह इमोशनल भी हुईं और अपने सपनों को पूरा करने की कहानी को एक्ट्रेस ने बयां किया।

हुमा ने याद किया अपना स्ट्रगल

अवॉर्ड पाने के बाद फिल्म फेस्टिवल के मंच पर हुमा कुरैशी ने कहा, 'बुसान में यह मेरा पहला एक्सपीरियंस है। यह अवॉर्ड मेरे लिए बहुत खास है। मेरे पिता दिल्ली के निजामुद्दीन में पैदा हुए थे, मां एक गांव में पैदा हुई थीं। मुझे हमेशा कहा जाता था कि एक्ट्रेस बनना मेरे बस की बात नहीं है। यही वजह है कि आज यहां खुद को देखना बड़ी बात है। यह अवॉर्ड उन युवा लड़कियों के लिए है, जो कुछ करना चाहती हैं, जो सपने देखने की हिम्मत रखती हैं।'

पर्सनल लाइफ को लेकर की चर्चा

इन दिनों हुमा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि हुमा ने अपने कथित बॉयफ्रेंड रचित सिंह से गुपचुप सगाई कर ली है। लेकिन एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए हुमा ने इन बातों पर विराम लगा दिया। अपनी पोस्ट में हुमा ने लिखा, अपने काम से काम रखो। हुमा के कथित बॉयफ्रेंड रचित एक्टिंग कोच हैं। वे आलिया भट्ट, रणवीर सिंह और विक्की कौशल जैसे एक्टर्स को ट्रेनिंग दे चुके हैं। रचित ने 'कर्मा कॉलिंग' सीरीज से अभिनय की शुरुआत की थी। हुमा और रचित लंबे वक्त से दोस्त हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा गया है। टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में हुमा की फिल्म बयान की स्क्रीनिंग के दौरान भी रचित दिखाई दिए थे।

31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं रुबीना दिलैक

अभिनेत्री रुबीना दिलैक हमेशा अपने फैशन सेंस से दर्शकों के दिलों में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। अभी हाल ही में अभिनेत्री 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट के उद्घाटन समारोह में शामिल हुई थीं, जिसकी जानकारी उन्होंने शुक्रवार को एक पोस्ट के जरिए दी। अभिनेत्री ने समारोह की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट के उद्घाटन समारोह में शामिल होकर गर्व महसूस हो रहा है। ये देखकर खुशी हुई कि 30 अलग-अलग देशों से आए हुए होनहार और बुद्धिमान लोग एक साथ मिलकर तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। रुबीना ने स्काई ब्लू कलर की एलिगेंट साड़ी के साथ पिंक कलर का ब्लाउज पेयर किया है। लॉन्ग सिल्वर इयररिंग्स और बिंदी ने उनके ट्रेडिशनल लुक को और खूबसूरत बना दिया। वहीं, बालों को हल्के कर्ल से स्टाइल किया है। तस्वीरों की बात करें तो पहली में रुबीना बड़ी-सी खिड़की के पास बैठकर कैंडिड पोज देती नजर आ रही हैं। दूसरी में वह चेयर पर बैठकर चिक सनग्लासेस लगाए नीचे की ओर देखते हुए पोज देती नजर आ रही हैं। वहीं, तीसरी में वह हाथों में गुलाब का गुल्दस्ता लिए पोज दे रही हैं। बाकी तस्वीरों में वह और कई तरह के पोज दे रही हैं। वीडियो की बात करें तो वह पहली वीडियो में स्पीच दे रही हैं और दूसरी में स्टेज पर बच्चों के साथ नजर आ रही हैं। रुबीना ने टीवी सीरियल छोटी बहू और शक्ति- अस्तित्व के एहसास की जैसे हिट शो में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है। इसके अलावा, वह बिग बॉस 14 की विनर भी रह चुकी हैं, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ गई थी। इन दिनों वह पति अभिनव शुक्ला के साथ पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। शो 2 अगस्त से कलर्स टीवी और जीयोहॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है।

फाल्के बायोपिक और महाभारत, पहली बार दो प्रोजेक्ट पर साथ काम करेंगे आमिर

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले अभिनेता आमिर खान इन दिनों अपने दो बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इनमें एक ओर है भारतीय सिनेमा के जनक कहे जाने वाले दादासाहेब फाल्के की बायोपिक। जबकि दूसरी ओर भारत के सबसे बड़े महाकाव्य 'महाभारत' पर उनकी फिल्म। चर्चा है कि एक्टर इन दोनों ही प्रोजेक्ट्स पर साथ काम कर रहे हैं। अब बड़ा सवाल ये है कि क्या एक बार में एक ही फिल्म करने के लिए मशहूर आमिर खान एकसाथ इन दो बड़े प्रोजेक्ट्स पर कैसे काम कर रहे हैं?

जनवरी से दादासाहेब राजकुमार हिरानी के साथ दादासाहेब फाल्के की बायोपिक कर रहे हैं। फिल्म में आमिर दादासाहेब फाल्के का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म की शूटिंग पहले अक्टूबर से ही शुरू होनी थी। लेकिन आमिर को राजू हिरानी और अभिजात जोशी की स्क्रिप्ट पसंद नहीं है। इसके बाद उन्होंने राजकुमार हिरानी से स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव करके फिर से आने को कहा। मिली जानकारी के मुताबिक, आमिर जनवरी में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट पर फिर से काम किया जा रहा है।

अनीत पड्डा ने काटा कियारा का पत्ता!

सैयारा की सफलता के बाद अनीत पड्डा लोगों की नजरों में हैं। सब उनके दीवाने हुए जा रहे हैं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि अनीत ने कियारा आडवाणी को रिप्लेस कर दिया है। अपनी फिल्म सैयारा की सफलता से एक्साइटेड अनीत पड्डा रातोंरात मशहूर हो गईं और उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर लोगों की भी खुशी बढ़ गई। हाल ही में, ऐसी खबरें आईं कि वह दिनेश विजन की मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की आगामी फिल्म शक्ति शालिनी में लीड रोल प्ले करेंगी। हालांकि, अब मेकर्स ने एक आधिकारिक बयान दिया है। शुक्रवार को, मैडॉक फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर इन अफवाहों को खारिज करते हुए एक बयान शेयर किया, जिसमें लिखा था, हालांकि हम अपने हॉरर-कॉमेडी जगत के उत्साह को सचमुच महत्व देते हैं, हम यह बिल्कुल स्पष्ट करना चाहते हैं कि शक्ति शालिनी और महा मुंज्या सहित आगामी चैप्टर्स की कास्टिंग से जुड़ी कोई भी रिपोर्ट पूरी तरह से अटकलें हैं। हम मीडिया से गलत सूचनाओं से बचने और हमारी आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार करने का आग्रह करते हैं। कैप्शन में आगे लिखा था, लगातार समर्थन और समझ के लिए धन्यवाद।

अनीत पड्डा ने कियारा को किया रिप्लेस!

स्पष्टीकरण के बावजूद, फैंस अनीत पड्डा के पक्ष में खड़े रहे। एक यूजर ने कमेंट किया- वैसे, अनीत एक बेहतरीन ऑप्शन होतीं। एक ने लिखा- अगर आपने अभी तक अनीत को कास्ट नहीं किया है तो प्लीज उन्हें कास्ट कर लीजिए। एक तीसरे ने लिखा- अनीत सबसे अच्छी पसंद हैं क्योंकि वह एक टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं। वहीं, कुछ फैंस ने उनकी जगह कियारा आडवाणी को रोल में देखने की इच्छा जताई।

'द फैमिली मैन' के 6 साल पूरे

सीजन 3 पर चल रहा काम, मनोज बाजपेयी ने किया कन्फर्म

अभिनेता मनोज बाजपेयी की मशहूर वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' को रिलीज हुए शनिवार को 6 साल पूरे हो गए। इस अवसर पर अभिनेता ने सीरीज से जुड़ी कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। साथ ही मनोज ने तीसरे सीजन को लेकर भी एक महत्वपूर्ण अपडेट फैंस के साथ साझा की। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इंस्टाग्राम पर शो के पहले भाग की कई तस्वीरें साझा की हैं। इन्हें शेयर करते हुए मनोज बाजपेयी ने कैप्शन में लिखा- द फैमिली मैन सीजन 1 को रिलीज हुए 6 साल हो गए हैं और यह एक कल्ट क्लासिक बन गया है। सीजन 3 का क्या? बस समझ लो ऑपरेशन जारी है। इस सीरीज का पहला पार्ट 2018 में रिलीज हुआ था। यह एक स्पाई एक्शन-थ्रिलर स्ट्रीमिंग वेब सीरीज है। इसके निर्माता राज और डीके हैं। सीरीज में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का रोल प्ले किया है, जो एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति हैं और राष्ट्रीय जांच एजेंसी में काम करते हैं। वह इसमें थ्रेट एनालिसिस एंड सर्विलांस सेल (टीएएससी) के एक खुफिया एजेंट के रूप में लोगों को बहुत पसंद आए। पहले सीजन में प्रियामणि, शरद केलकर, नीरज माधव, शारिब हाशमी, दलीप ताहिल, सनी हिंदुजा और श्रेया धनवंतरी जैसे सितारे दिखाई दिए। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु को इस सीरीज के दूसरे सीजन में खलनायक की भूमिका में काफी पसंद किया गया। दूसरे सीजन में श्रीकांत तिवारी टीएएससी छोड़कर परिवार के साथ रहने लगते हैं, लेकिन जैसे ही देश पर खतरा मंडराने लगता है, तो वह नौकरी छोड़ फिर से फोर्स में चले जाते हैं। अब इसके तीसरे सीजन का इंतजार दर्शकों को है। बताया जा रहा है कि इसे इस साल अक्टूबर के अंत तक रिलीज किया जा सकता है। तीसरे सीजन में जयदीप अहलावत खलनायक की भूमिका में दिखाई देंगे। मनोज बाजपेयी को पिछली बार फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे में देखा गया था। इसमें वे लीड रोल में थे। फिल्म में जिम सर्भ, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और भालचंद्र कदम जैसे कलाकार भी अहम किरदार में दिखाई दिए। इसी के साथ ही उनकी फिल्म जुगनुमा हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म को राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है।

प्रभास की फौजी में

अभिषेक बच्चन की एंट्री!

तेलुगू सिनेमा के पैन इंडिया सुपरस्टार प्रभास की फिल्म फौजी को एक नई जानकारी आई है। चर्चा है कि डायरेक्टर हनु राघवपुडी की यह एक्शन-ड्रामा फिल्म अब और भी रोमांचक होने वाली है, क्योंकि इसमें अभिषेक बच्चन की एंट्री हुई है। प्रभास इन दिनों फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। खबर है कि जल्द ही अभिषेक भी उनके साथ शामिल होंगे।

हालांकि, फिल्म से अभिषेक के जुड़ने को लेकर अभी तक कोई अधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक बच्चन और प्रभास फौजी में स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। हनु राघवपुडी ने अभिषेक बच्चन से एक अहम भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है। इस पर अभी बातचीत चल रही है और सब कुछ ठीक रहा, तो अभिषेक जल्द ही प्रभास को शूट के लिए जॉइन करेंगे। यह तेलुगू सिनेमा में अभिषेक बच्चन का डेब्यू होगा।

फौजी को लेकर बीते दिनों तब चर्चा और फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई थी, जब अगस्त में शूटिंग लोकेशन एक तस्वीर लीक हुई थी। हालांकि, इसके बाद फिल्म के निर्माता माइथ्री मूवी मेकर्स ने चेतावनी भी जारी की।

प्रोडक्शन हाउस ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, हमने देखा है कि आप में से बहुत से लोग सेट से तस्वीरें शेयर कर

रहे हैं। हम आपको बेहतरीन अनुभव देने की कोशिश कर रहे हैं, पर इस तरह के लीक टीम का मनोबल गिराते हैं। ऐसी तस्वीरें शेयर करने वाले किसी भी अकाउंट को न सिर्फ रिपोर्ट कर उसे बंद करवाया जाएगा, बल्कि उसे साइबर अपराध मानकर उचित कार्रवाई भी की जाएगी।

फौजी का 400 करोड़ का बजट और प्लॉट

फौजी, प्रभास के सबसे दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में से है। चर्चा है कि यह फिल्म द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान की एक रोमांटिक ड्रामा है। यह एक सैनिक की यात्रा है, जो महाकाव्य की तरह भव्यता लिए हुए होगी और कहानी में भावनाओं का भी पुट होगा। इस ऐतिहासिक एक्शन फिल्म में प्रभास एक सैनिक की भूमिका में नजर आएंगे। विशाल चंद्रशेखर इसके लिए संगीत दे रहे हैं। फिल्म का बजट भी 400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

लुक को लेकर हुई ट्रोलिंग पर अनन्या का ट्रोलर्स को दिया जवाब

हाल ही में मालदीव से छुट्टियां मनाकर लौटीं अनन्या पांडे आर्यन खान की डेब्यू सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के प्रीमियर पर पहुंचीं। इस दौरान अनन्या की टैन बॉडी नजर आई। सफेद रंग के आउटफिट में अनन्या का फेस तो ग्लो कर रहा था, लेकिन उनकी बॉडी टैन नजर आ रही थी। इसी को लेकर सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। कई यूजर्स ने अनन्या के बॉडी टैन की आलोचना की और इसे नकली तक कह डाला। अब अनन्या ने बड़े ही सलीके से इन ट्रोलिंग पर जवाब दिया है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के प्रीमियर पर जब अनन्या सफेद रंग के स्टाइलिश आउटफिट में पैपराजी के सामने पोज देने पहुंचीं, तो कई लोगों ने उन्हें ट्रोल किया। उनकी टैन बॉडी को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने तरह-तरह के कमेंट किए। कुछ ने इसे नकली टैन बताया, तो कुछ ने कहा कि जुहू बीच पर घूमने के एक दिन बाद यह हाल होता है। अब अनन्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इन ट्रोलिंग पर जवाब दिया है। अनन्या ने इसी इवेंट की एक क्लिप अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की। इसके साथ ही अनन्या ने कैप्शन में लिखा, 'मैं टैन की प्रशंसक हूं।

अनन्या ने इसके अलावा भी उस इवेंट के कुछ एक वीडियोज अपनी स्टोरी पर शेयर किए हैं। अनन्या के इस जवाब की कई प्रशंसक सराहना भी कर रहे हैं।

साभार एजेंसी